लखनऊ

गुरुवार 3 जुलाई 2025

वर्ष : 10 । अंक: 346

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जो सभी का मित्र होता है वो किसी का मित्र नहीं होता है। - अरस्तु

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी ने अधिग्रहण में फर्जी लेन-देन का किया दावा

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल ईडी ने अदालत में दावा किया है कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के अधिग्रहण में फर्जी लेन-देन किया गया। असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ईडी की तरफ से अदालत में पेश हुए। एसवी राजू ने बताया कि यंग इंडियन नामक कंपनी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का अधिग्रहण किया। एजेएल की संपत्ति 2000 करोड़ रुपये है। एजेएल के अधिग्रहण के लिए ही यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड को बनाया गया था। एसवी राजू ने बताया कि एजेएल के निदेशक ने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी को पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया कि 'वे कर्ज चुकाने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि अखबार का प्रकाशन बंद हो चुका है और उनके पास आय का कोई नियमित साधन नहीं है।' एसवी राजू ने कहा कि यंग इंडियन में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे और सैम पित्रोदा प्रबंधकीय पदों पर थे। राजू ने कहा कि 'कंपनी एजेएल के पास करीब 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जिसका 90 करोड़ रुपये के कर्ज के बदले अधिग्रहण कर लिया गया। यह एक धांधली है, जिसमें कोई असल लेन-देन नहीं हुआ। एजेएल का अधिग्रहण कांग्रेस ने नहीं किया बल्कि यंग इंडियन ने किया। यह एक साजिश के तहत किया गया।' वईडी ने कहा कि कांग्रेस ने न ही ब्याज दिया और न ही जमानत और 90 करोड़ रुपये के कर्ज को सिर्फ 50 लाख रुपये में बेचा गया। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के इशारे पर यह साजिश रची गई। एसवी राजू ने कहा कि यंग इंडियन में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के 76 प्रतिशत शेयर हैं।

UNSC में पाकिस्तान की ताजपोशी पर गरमाई सियासत, कांग्रेस बोली- दिखावे से नहीं चलती कूटनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता मिलने पर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी ने इसे भारत की कूटनीतिक विफलता बताया और सवाल उठाया कि पाकिस्तान जैसे देश, जो खुद आतंकवाद फैलाने में शामिल है, उसे वैश्विक मंच पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी कैसे मिल गई। दरअसल, पाकिस्तान ने मंगलवार को घोषणा की कि वह जुलाई महीने के लिए यूएनएससी का अध्यक्ष बनेगा। पाकिस्तान जनवरी 2025 से सुरक्षा परिषद में गैर-स्थायी सदस्य है। इसके अलावा पाकिस्तान को तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी बनाया गया है। बंगलूरूमें पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पाकिस्तान जैसे देश को यूएनएससी का अध्यक्ष बनाना वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि आतंक फैलाने वाला देश अब वैश्विक सुरक्षा का संरक्षक बन गया है। यह भारत सरकार के लिए शर्मनाक है।

'बम-बम भोले ' के जयकारों से गूंजा जम्मू, बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहला जत्था रवाना

जम्मू। जम्मू 'बम-बम भोले' के नारों से गूंज रहा है। भगवान शिव शंकर के जयकारों के बीच भगवती नगर बेस कैंप से बुधवार सुबह अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से पहला जत्था रवाना हुआ। पहले विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसमें जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शामिल हुए। पूजा के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले चरण में लगभग 4500 श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ यात्रा पर रवाना हुआ। उपराज्यपाल ने कहा, एक बार फिर जम्मू में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन देखने को मिल रहा है। यह आतंकवाद पर एक बहुत बड़ा तमाचा है कि देशभर से श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू पहुंच रहे हैं। एलजी मनोज सिन्हा ने सभी श्रद्धालुओं को भगवान शिव के पवित्र निवास तक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के लिए शांति और आशीर्वाद के लिए बाबा अमरनाथ से प्रार्थना की। पहले जत्थे में शामिल एक महिला ने कहा कि बहुत ही अच्छा लगा है। हमें इस बात की भी खुशी है कि हम पहले जत्थे के साथ रवाना हो रहे हैं। सुरक्षा के मसले पर श्रद्धालुओं ने कहा कि जब तक हमारी सेना और प्रधानमंत्री मोदी हैं, तब तक कोई हमारा 'बाल भी बांका' नहीं कर सकता है। हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है। एक व्यक्ति ने कहा, हम लोगों को यही संदेश देंगे कि बिना डर के यहां आएं। बिंदास होकर इस यात्रा के लिए पहुंच सकते हैं। पुरानी मंडी मंदिर के महंत रामेश्वर दास ने कहा कि यात्रा में लोगों के मन में उत्साह है। लोगों में निडरता है, भोले के जयकारे गूंज रहे हैं। बाबा के दर्शन के लिए सरकार ने बहुत अच्छी सुविधाएं दी हैं। पहले के मुकाबले इस बार यात्रा अच्छी होगी।

NDA ही लौटा सकता है बिहार का खोया गौरव, पटना में बोले राजनाथ

राजद-कांग्रेस ने राज्य को पिछड़ेपन और अपराध की गर्त में धकेला

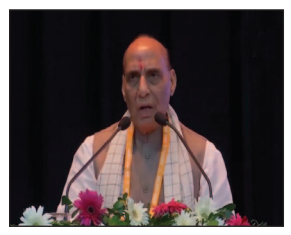

पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पटना के दौरे पर हैं। इस दौरान राजनाथ सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश फूंका और उनको जीत का मंत्र दिया। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा में हर कोई कार्यकर्ता की भावना से काम करता है, चाहे वह किसी भी पद पर हो। यही हमारी पार्टी की मजबूती का आधार है और इसी का परिणाम है कि भाजपा आज पूरे विश्व में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह केवल एक संगठन की बैठक नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पूर्ति के लिए एक संकल्प सभा है, जिसे हमें बिहार और भारत दोनों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लेना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में दिखाया है कि भारत बदल सकता है और आगे बढ़ सकता है, बशर्ते नेतृत्व मजबूत हो, नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। हमें बिहार के हर निवासी के दिल में यही विश्वास जगाना है। राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियों का एक ही उद्देश्य है, सत्ता में बने रहना। जबकि भाजपा का उद्देश्य भारत के हर नागरिक के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है...ऐसी नीतियां बनाना है जिसमें समाज के हर वर्ग का विकास हो। सभी को आत्मसम्मान के साथ जीने का अधिकार मिले, यह भी हमारी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासरत हैं। राजनाथ ने कहा कि लालूजी के मुख्यमंत्री रहते समय कर्पूरी जी की विरासत और मूल्यों दोनों को हाशिए पर डाल दिया गया। यहाँ तक की न कोई स्मृति स्थल, न कोई ठोस योजना उनके नाम पर, न कोई विचारधारा का प्रचार। मोदी जी ने न सिर्फ कर्पूरी जी का नाम नई पीढ़ी को फिर से याद दिलाया, बल्कि उनकी जीवन शैली और सिद्धांतों को 21वीं सदी की राजनीति का आदर्श बनाया। लालू यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि महापुरुषों का अपमान करना कुछ दलों की आदत बन चुकी है। सम्मान देना तो दूर, उन्हें अपनी राजनीति की चौखट पर बिछा देना ही इनकी शैली है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, एससी-एसटी कर्मचारियों के लिए सीधी भर्ती और प्रमोशन में आरक्षण लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अपनी सीधी भर्ती और प्रमोशन प्रक्रियाओं में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 15 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण की औपचारिक नीति को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी 24 जून को सुप्रीम कोर्ट के सभी कर्मचारियों को जारी एक आधिकारिक सर्कुलर के माध्यम से दी गई। यह नई आरक्षण व्यवस्था 23 जून, 2025 से प्रभावी हो गई है।

यह महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों पर लागू नहीं होगा। इसके दायरे में रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट और चेंबर अटेंडेंट जैसे विभिन्न गैर-न्यायिक पद शामिल होंगे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (तत्कालीन) गवई ने इस फैसले पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा था कि जब देश के अन्य सरकारी संस्थानों और कई उच्च न्यायालयों में पहले से ही एससी और एसटी वर्गों के लिए आरक्षण का प्रावधान मौजूद है, तो सुप्रीम कोर्ट को इससे अलग क्यों रखा जाना चाहिए? उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने कई ऐतिहासिक निर्णयों में सकारात्मक कार्रवाई का समर्थन किया है, और अब एक संस्था के रूप में हमें इसे अपने यहां भी लागू करना चाहिए। हमारे कार्य हमारे सिद्धांतों के अनुरूप होने चाहिए।

नई आरक्षण नीति के संबंध में जारी सर्कुलर में सभी कर्मचारियों और रजिस्ट्रारों को सूचित किया गया है कि मॉडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक नेटवर्क पर अपलोड कर दिया गया है और यह 23 जून से प्रभावी हो गया है। सर्कुलर में यह भी निर्देश दिया गया है कि यदि किसी कर्मचारी को रोस्टर या रजिस्टर में कोई त्रुटि या कमी नजर आती है, तो वे तुरंत संबंधित रजिस्ट्रार को सूचित करें।

मॉडल रोस्टर में विभिन्न पदनामों, जैसे वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट कम जूनियर प्रोग्रामर, जूनियर कोर्ट अटेंडेंट और चेंबर अटेंडेंट (आर) के लिए आरक्षित श्रेणियों के लिए सीधी भर्ती नीति का विस्तृत विवरण दिया गया है। इस नीति के अनुसार, एससी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 15त्न और एसटी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 7.5त्न पद आरक्षित होंगे।

'हां, मैं पांच साल CM रहूंगा...', सिद्धारमैया ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को किया खारिज

चिक्कबल्लापुर (कर्नाटक)। कर्नाटक ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि वह पांच साल तक राज्य के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इसमें किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए। दरअसल, सिद्धारमैया ने से पूछा गया कि क्या वह पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, हां, मैं रहूंगा। आपको इसमें कोई शक है? इससे पहले राज्य मंत्री प्रियांक खरगे ने भी राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों को खारिज किया। पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ऐसा किसने कहा? (कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी) रणदीप सुरजेवाला, मुख्यमंत्री (सिद्धारमैया), उप मुख्यमंत्री (डीके शिवकुमार) और (पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट कहा है।

पहलगाम हमले की एक सुर में निंदा, लेकिन पाकिस्तान का नाम लेने से परहेज ; QUAD शुरू करेगा ये तीन अभियान

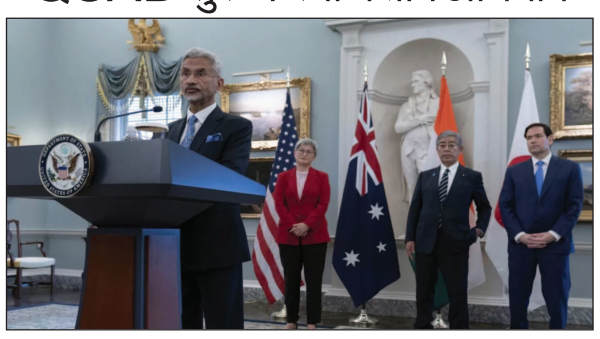

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और भारत का संगठन क्वाड ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। मंगलवार को वाशिंगटन में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए इसमें मारे गये 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। क्वाड ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया है कि वह इस हमले के दोषियों को सजा दिलाने में मदद करें। हालांकि जैसी भारत की मंशा थी पहलगाम हमले के संदर्भ में संयुक्त बयान में पाकिस्तान या इसकी तरफ से पोषित आतंकवादी संगठनों का नाम नहीं लिया गया है।

'नए आपराधिक कानूनों से न्याय प्रशासन में केवल भ्रम पैदा हुआ'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने नए आपराधिक कानूनों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इन कानूनों को लागू करने को 'कट एंड पेस्ट' एक्सरसाइज बताया। चिदंबरम ने कहा कि तीन नये आपराधिक कानूनों को लागू करना व्यर्थ का काम है। इनसे न्यायाधीशों, वकीलों और पुलिस के बीच न्याय प्रशासन में केवल भ्रम की स्थिति पैदा हुई है।

पी चिदंबरम ने यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नए आपराधिक कानूनों के एक साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इन्हें स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा सुधार करार दिए जाने पर दिया है। बीते दिन, राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया न केवल सस्ती और सुलभ होगी, बल्कि सरल, समयबद्ध और पारदर्शी भी होगी।

चिदंबरम ने आपराधिक कानूनों को लेकर कसा तंज

सरकार पर निशाना साधते हुए चिदंबरम ने कहा कि सरकार ने बार-बार दावा किया है कि तीन आपराधिक कानून विधेयक, जो अब अधिनियम बन चुके हैं, आजादी के बाद के सबसे बड़े सुधार हैं, लेकिन यह सच से बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि मैंने तीनों विधेयकों की जांच करने वाली संसदीय स्थायी समिति को अपना असहमति नोट भेजा था। इतना ही नहीं यह संसद में पेश की गई रिपोर्ट में भी शामिल है। अपने असहमति नोट में आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धाराओं की तुलना संबंधित नए विधेयक से करने के बाद, मैंने कहा था कि यह केवल कट-पेस्ट एक्सरसाइज है। नए विधेयक में आईपीसी का 90-95%, सीआरपीसी का 95% और साक्ष्य अधिनियम का 99% हिस्सा काट-छांट कर शामिल किया गया है।

पहली नौकरी मिलते सरकार युवाओं को देगी पैसा, केंद्रीय कैबिनेट ने बड़ी योजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कई बड़ी योजनाओं को हरी झंडी दी है। सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव की तर्ज पर एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव योजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में संगठित और स्थायी रोजगार को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस योजना के तहत, सरकार कुल 1.07 लाख करोड़ रुपए का प्रोत्साहन देगी। रोजगार को प्रोत्साहन देने के लिए पहली नौकरी पर सरकार युवाओं को धनराशि देगी। वैष्णव ने बताया कि योजना के दो हिस्से होंगे पार्ट ए और पार्ट बी। पार्ट ए के तहत नई नियुक्ति करने पर सरकार कर्मचारी की एक महीने की सैलरी (अधिकतम 15 हजार रुपए) दो टुकड़ों में प्रोत्साहन के रूप में देगी।

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने बताया, 'कौन होगा उनका उत्तराधिकारी', चीन की भूमिका भी साफ की

नई दिल्ली, एजेंसी। तिब्बती बौद्ध धर्म के सर्वोच्च आध्यात्मिक नेता 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी मृत्यु के बाद अगला दलाई लामा तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा, और इस प्रक्रिया में चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। दलाई लामा ने यह भी बताया कि उत्तराधिकारी की पहचान और मान्यता की जिम्मेदारी उन्होंने अपने आधिकारिक ट्रस्ट 'गादेन फोडरंग ट्रस्ट' को सौंपी है। उन्होंने यह बयान एक आधिकारिक वक्तव्य के ज़रिए जारी किया।

दलाई लामा ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी संस्था, यानी 'दलाई लामा का संस्थान', भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने 2011 में किए गए उस वादे की याद दिलाई, जब उन्होंने कहा था कि 90 वर्ष की उम्र के करीब पहुंचने पर वे तिब्बती धर्मगुरुओं और जनता से विचार-विमर्श कर तय करेंगे कि इस परंपरा को जारी रखना है या नहीं।

अब जब वे 6 जुलाई 2025 को 90 वर्ष के हो रहे हैं, उन्होंने कहा कि बीते 14 वर्षों में उन्हें तिब्बती बौद्ध नेताओं, तिब्बती संसद, केंद्र सरकार (धर्मशाला स्थित), हिमालयी क्षेत्रों, मंगोलिया, रूस और यहां तक कि तिब्बत के भीतर से भी लगातार यह अनुरोध मिला है कि यह परंपरा जारी रहनी चाहिए। इन्हीं अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए दलाई लामा ने औपचारिक रूप से घोषणा की, मैं घोषित करता हूं कि दलाई लामा की परंपरा जारी रहेगी।

दलाई लामा ने दोहराया कि अगले दलाई लामा की पहचान और मान्यता का अधिकार केवल 'गादेन फोडरंग ट्रस्ट' को होगा। उन्होंने बिना नाम लिए चीन के हस्तक्षेप की संभावना को खारिज किया और कहा कि कोई भी सरकार या संस्था इस प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकती। उन्होंने कहा कि अगला दलाई लामा तिब्बती परंपरा के अनुसार चुना जाएगा, जिसमें तिब्बती बौद्ध परंपराओं के वरिष्ठ लामा और धर्म रक्षक शामिल होंगे।

सुरक्षा में बड़ी चूक टेकऑफ के बाद हवा में 900 फीट नीचे आ गया एयर इंडिया का विमान, सेफ्टी चीफ तलब, दोनों पायलट सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया की एक उड़ान में सुरक्षा को लेकर एक और गंभीर मामला सामने आया है। दिल्ली से वियना के लिए उड़ान भरने वाला बोइंग 777 विमान टेकऑफ के कुछ ही देर बाद हवा में करीब 900 फीट तक नीचे आ गया। इस घटना के बाद, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (ष्ठत्रष्ट्र) ने कड़ी कार्रवाई करते हुए जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को उड़ान भरने से रोक दिया है।

यह घटना 14 जून की है, जब एअर इंडिया की फ्लाइट रद्ब-187 ने सुबह 2:56 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वियना के लिए उड़ान भरी थी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, टेकऑफ के तुरंत बाद विमान ने अचानक अपनी ऊंचाई खो दी, जिससे कॉकपिट में स्टॉल (विमान के गिरने की स्थिति) और ग्राउंड प्रॉक्सिमिटी वॉर्निंग सिस्टम सक्रिय हो गए। इस दौरान पायलटों को बार-बार 'डोन्ट सिंक' (नीचे मत जाओ) के अलर्ट मिल रहे थे। हालांकि, एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि पायलटों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विमान को स्थिर कर लिया और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद उड़ान को सुरक्षित रूप से जारी रखा। विमान नौ घंटे और आठ मिनट की यात्रा के बाद वियना में सुरक्षित उतर गया।

सभी के द्वारा किए गए प्रयास से मिली यह सफलता- पीएम

पीएम मोदी ने कहा, 'तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई देशवासियों ने योगदान दिया है। जब सभी के द्वारा मिल के प्रयास किए गए, तो यह सफलता मिली है। यह चंद्रयान-3 की सबसे बड़ी उपलब्धि है।' भारत के अंतरिक्ष यान ने योजना के अनुसार बुधवार शाम को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की और यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। चंद्रयान-3 चालीस दिनों से अधिक समय तक लगभग 3 ।84 लाख किमी की यात्रा करने के बाद यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र को 23 अगस्त को छूकर इतिहास रचा।

एअर इंडिया की सुरक्षा पर लगातार उठ रहे सवाल

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब एअर इंडिया की सुरक्षा प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह मामला 12 जून को अहमदाबाद में हुए एक घातक हादसे के ठीक बाद हुआ, जिसमें लंदन जा रही एअर इंडिया की ड्रीमलाइनर फ्लाइट क्रैश हो गई थी और लगभग 270 लोगों की जान चली गई थी। इसके अलावा, डीजीसीए द्वारा हाल ही में किए गए एक सुरक्षा ऑडिट में एअर इंडिया के बेड़े के रखरखाव में बार-बार लापरवाही की बात भी सामने आई है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि वियना उड़ान की घटना के पीछे मौसम की खराबी, कोई तकनीकी दिक्कत या पायलट की गलती जिम्मेदार थी।

कोविड-19 वैक्सीन के कारण युवाओं की अचानक हो रही मौत?,एम्स-आईसीएमआर की रिपोर्ट में वजह आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कोविड-19 वैक्सीन को लेकर चल रही तमाम अफवाहों को खारिज करते हुए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने अपनी गहन पड़ताल में साफ कर दिया है कि कोविड वैक्सीन का युवाओं में अचानक होने वाली मौतों से कोई ताल्लुक नहीं है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस बात को जोर देकर कहा है कि वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और इससे किसी तरह का खतरा नहीं। मंत्रालय ने साफ किया कि वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर ऐसी कोई बात सामने नहीं आई है जो वैक्सीन को अचानक मौतों का जिम्मेदार ठहराए।

ढ्ढष्टरूक्र और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र की जांच ने भी यही साबित किया है कि भारत में इस्तेमाल होने वाली कोविड वैक्सीन न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि बीमारी से बचाव में भी कारगर है। गंभीर साइड इफेक्ट्स के मामले इतने कम हैं कि उन्हें नजरअंदाज किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने साफ कहा है कि वैक्सीन को अचानक मौतों से जोड़ने वाली बातें बेबुनियाद और गलत हैं।

शाहिद पिच्चा ने जेल से रची सबलू को गोली मरवाने की साजिश, 9 पर मुकदमा, आठ टीमें दे रहीं दबिश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। डीटू गैंग के गुर्गा रहे हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सबलू को गोली मारने की साजिश जेल में बंद शाहिद पिच्चा ने रची थी। सूत्रों के अनुसार, सबलू की मुखबिरी से ही शाहिद को पुलिस ने पकड़ा था, जिसका बदला लेने के लिए वारदात कराई गई थी। सभी आरोपितों ने पहले घर से अपने परिवार को सुरक्षित स्थान पर भिजवाया। इसके बाद ही वारदात को अंजाम दिया गया। देर रात पुलिस ने आरोपितों के घर दबिश दी तो सभी के घरों में ताले लगे मिले।

मंगलवार भोर अस्पताल में भर्ती सबलू की तहरीर पर स्वरूप नगर थाने में शाहिद पिच्चा, उसके बहनोई समेत नौ आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास व अन्य धाराओं में मुकदमा

दर्ज किया गया। पुलिस की जांच में घटनास्थल के पास एटीएम समेत कई स्थानों के फुटेज में आरोपित दिखे हैं। सर्विलांस, साइबर समेत सेंट्रल जोन की आठ टीमें आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगी हैं। एक आरोपित पुलिस के रडार पर आ चुका है।

चमनगंज के सईदाबाद निवासी हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सबलू डीटू गैंग का गुर्गा रह चुका है। उस समय डीटू गैंग का शूटर शाहिद पिच्चा उसका अच्छा दोस्त था लेकिन कई साल पहले दोनों के बीच एक प्रापर्टी को लेकर विवाद हुआ। उसके बाद दोनों ने अपना-अपना गैंग बना लिया। दोनों एक दूसरे की जान के दुश्मन बन गए।

सबलू ने बताया कि सोमवार रात वह स्कूटी से दोस्त मो. आकिब व शकील के साथ चाय पीने मोतीझील जा रहा था। स्कूटी आकिब चला रहा था। जैसे ही वे हर्ष नगर पेट्रोल पंप से आगे पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम तक पहुंचे तभी दो बाइक पर सवार हेलमेट लगाए चार लोग बगल में आए और कहा कि फिरोज भइया ने तुम्हारे लिए कुछ भेजा है। ये कहते हुए पिस्टल से फायर कर दिया। गोली उसकी गर्दन पर लगी और अचेत होकर गिर पड़ा। दोनों दोस्तों ने उसे स्वरूप नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

सबलू ने शाहिद, उसकी मां, बहनोई जीशान, फिरोज, युसुफ चटनी, सनी मौरंग और तीन अज्ञात के खिलाफ स्वरूप नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। सूत्रों ने बताया कि सबलू और शाहिद पिच्चा के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। सबलू भी बिल्डर है और शाहिद अपने बहनोई जीशान से बिल्डर एग्रीमेंट करवाकर काम करता है। इसको लेकर दोनों के बीच ज्यादा तनातनी रहती है। विवादित मकान खाली कराने के दौरान कई बार दोनों गुट आमने-सामने आ चुके हैं। कुछ वर्षों से डिप्टी पड़ाव क्षेत्र स्थित एक मकान को लेकर उनके बीच विवाद चल रहा है। शाहिद को जेल भिजवाने के लिए सबलू ने अपने साथी के जरिए मुखबिरी कराई थी।

इसके बाद ही छह दिन पहले चमनगंज पुलिस ने मुठभेड़ में शाहिद की गिरफ्तारी दिखा उसे जेल भेजा था। यहीं नहीं पुलिस ने जेल भेजने से पहले शाहिद को उसी के मुहल्ले में घुमाकर बेइज्जत किया था, जिसका बदला लेने के लिए शाहिद ने जेल से ही बहनोई जीशान के जरिये बिल्डर फिरोज व अन्य साथियों से उसकी हत्या करने के इरादे से गोली चलवाई।

आरोपितों के घर दबिश दी गई लेकिन ताला लगा मिला। सभी के एक साथ घर से गायब होने से स्पष्ट है कि सभी आरोपितों ने सुनियोजित तरह से पहले परिवार को कहीं भिजवाया। उसके बाद वारदात को अंजाम दिया था। कुछ फुटेज आरोपितों की मिली है। जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

- श्रवण कुमार सिंह, डीसीपी सेंट्रल

सबलू बोला- 32 लाख न देने पड़ें इसलिए मारी गोली

सबलू ने बताया कि एक प्रापर्टी का बिल्डर फिरोज उर्फ भइया से 32 लाख रुपये लेने थे। पांच-छह साल से वह रुपये नहीं दे रहा था। कई बार बैठकें भी हो चुकी हैं। रुपये न देने के लिए वह कई बार लोगों से धमकी भी दिलवा चुका है। इसीलिए उस पर गोली मारी गई।

समाजवाद के झंडाबरदार रहे रामसेवक यादव : रामगोबिन्द चौधरी

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। रामसेवक यादव ने सामंती ताकतों से लड़कर समाजवाद की स्थापना की। वह डॉ. राममनोहर लोहिया के अनुनायी ही नही बल्कि उस सदन के नेता थे जिस सदन में डॉ लोहिया अक्सर शमसी मिनाई की इंकलाबी शायरी से सत्ता पक्ष को आईना दिखाने का काम करते थे। रामसेवक यादव समाजवादी आन्दोलन के ऐसे सेनानी थे जो डॉ लोहिया, मधुलिमये, मामा बालेश्वर दयाल, राजनारायण, अर्जुन सिंह भदौरिया के समकालीन थे। उनकी जन्मशती पर आयोजित यह आयोजन उन तमाम विचारों और संघर्षों की याद दिलाता है जिसे उन्होंने अपने खून पसीने से सींचा। यह बात गांधी भवन में प्रखर समाजवादी नेता एवं कई बार सांसद व विधायक रहे स्व. रामसेवक यादव की 99वीं जयन्ती पर आयोजित व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि उ.प्र. विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोबिन्द चौधरी ने कही। स्व. रामसेवक यादव जन्मशताब्दी वर्ष समारोह समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत श्रीमतभागवत कथा से हुई। जिसके बाद पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोबिंद चौधरी ने धनोखर चौराहा और छाया चौराहा पर लगी स्व. रामसेवक यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजवादी चिन्तक राजनाथ शर्मा ने कहा कि रामसेवक यादव का संपूर्ण जीवन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए समर्पित था। उन्होंने यह सिखाया कि राजनीति सत्ता पाने का साधन नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने का माध्यम है। विशिष्ट अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवु पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द कुमार सिंह गोप ने कहा रामसेवक यादव समाजवादी आन्दोलन के उन नेताओं में से थे।

बहनोई से विवाद . . . अब युवक ने खत्म किया परिवार, मां और बच्चों को इसलिए मारी गोली, खुद भी दी जान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में मां और बेटे की हत्या के बाद एक युवक ने खुद को गोली मारकर जान दे दी। आरोपी ने मासूम बेटी को भी गोली मारी, वो अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है। बेटी की हालत गंभीर है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बहनोई से विवाद के बाद जेल जाने और दो महीने पहले जेल से छूटकर आने बाले सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर निवासी नीरज पांडेय (32) ने मंगलवार की दोपहर पिस्टल से अपनी मां चंद्रकला (55), बेटी शुभी (7) और बेटे संघर्ष (4) को गोली मार दी। इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। इस पूरी घटना में नीरज और उसकी मां की मौके पर ही मौत हो गई। मासूम बेटे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है। नीरज के पड़ोसियों के मुताबिक, मंगलवार को नीरज की अपनी पत्नी से कुछ कहासुनी हुई थी। इसके बाद ही उसने घातक कदम उठा लिया।

पारिवारिक विवाद और शराब के नशे में धुत नीरज पांडेय ने वारदात को अंजाम दिया। युवक और उसकी मां की मौके पर मौत हो गई थी। दोनों बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया था, लेकिन तब तक उसके बेटे की भी मौत हो गई। बच्ची के पेट में गोली लगी है। उसकी हालत स्थिर है। वारदात की जांच की जा रही है।

हेमराज मीना, एसएसपी आजमगढ़।

दो माह पहले जेल से छूटकर आया था नीरज

पुलिस भी वारदात के पीछे पारिवारिक विवाद बता रही है, लेकिन विवाद क्या था, यह नहीं बता पा रही है। नीरज का वाराणसी में रहने वाले बहनोई से विवाद हुआ था। वह असलहा लेकर बहनोई को मारने गया था। इस मामले में चोलापुर पुलिस ने उसे जेल भेजा था। वह दो महीने पहले ही जेल से छूटकर आया था।

सोमवार को ही वाराणसी से घर आया था युवक

सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर निवासी नीरज पांडेय अपने परिवार के साथ वाराणसी में रहता था। वह वहां पर पेट्रोल पंप पर गाड़ियों में तेल भरता था। एक सप्ताह पहले उसकी पत्नी अपने बच्चों के साथ घर आई थी। सोमवार की शाम वह भी वाराणसी से घर पहुंचा था।

पहले मां फिर बेटे और बेटी को मारी गोली

मंगलवार की दोपहर किसी बात से नाराज होकर नीरज ने पिस्टल से अपनी मां चंद्रकला के पेट में गोली मार दी। फिर बेटी शुभी के पेट में और बेटे संघर्ष के कमर के निचले हिस्से में गोली मार दी। इसके बाद अपने सिर में गोली मार ली। युवक की पत्नी और पिता भी घर पर थे, लेकिन उनके पास नहीं गया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पिस्टल मौके से बरामद कर ली है। पुलिस के मुताबिक पिस्टल का लाइसेंस नहीं है। यह नीरज के पास कहां से आई, इसकी जांच की जा रही है।

पत्नी बोली, वह ससुर को पानी देने गई थी

नीरज की पत्नी माधुरी ने बताया कि ससुर कृष्ण कुमार पांडेय मानसिक रूप से बीमार हैं। वारदात के समय वह ससुर को पानी देने गई थी। गोली की आवाज सुनकर जब कमरे से बाहर आई, तब तक नीरज ने खुद को गोली मार ली थी। नीरज सोमवार की शाम वाराणसी से आए थे। वह बच्चों को साथ लेकर जाना चाह रहे थे।

वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत वृक्षारोपण का आयोजन

लंभुआ/सुल्तानपुर। बुधवार को वन महोत्सव के उपलक्ष्य में लंभुआ रेंज अंतर्गत पब्लिक इंटर कॉलेज चौकिया में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा के प्रतिनिधि प्रवीण सिंह मंडल अध्यक्ष द्वारा मालश्री का पौध रोपित किया गया। पब्लिक इंटर कॉलेज के प्राचार्य दिनेश प्रताप सिंह व प्रबंधक सुरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा मालश्री और अवल का पौधारोपण किया गया, विद्यालय बच्चें व अध्यापक गण मौजूद रहे। डिप्टी रेंजर डीके यादव ने बताया कि वन महोत्सव के अवसर पर 37 मालश्री, महोगनी, अमरुद, साबुन आदि के कुल विभिन्न वृक्ष लगाए गए। कार्यक्रम में लंभुआ रेंज के रेंजर गौरव सिंह, व समस्त स्टाफ मौजूद रहे। उक्त कार्यक्रम के बाद लंभुआ सीएचसी पर बुधवार को जन्में नवजात शिशु के पिता प्रियांशु तिवारी को डिप्टी रेंजर डीके यादव व सीएचसी अधीक्षक के द्वारा ग्रीनगोल्ड सर्टीफिकेट और महोगनी का पौधा भेंट किया।

भदोही में सनसनीखेज वारदात, पति ने पत्नी की गला काटकर की हत्या, सिंदूर पीकर की खुदकुशी करने की कोशिश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के सुरियावां थाना क्षेत्र के वारी गांव में एक पति ने धारदार हथियार से पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद सिंदूर पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को आनन- फानन जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं पत्नी का शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि महिला के घरवालों ने तहरीर के माध्यम से बताया कि पांच वर्ष पूर्व बेटी की शादी की थी। उसके बाद से ही पति द्वारा उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आए बुजर्ग को घसीटा, मौके पर मौत, चालक फरार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। बेलीपार के बिस्टौली बुजुर्ग स्थित शिव मंदिर के सामने फोरलेन पर बुधवार की सुबह तेज रफ्तार कार की चपेट में आए बुजुर्ग की मौत हो गयी। कार के बोनट में फंसने से कुछ दूर तक सड़क पर घसीटाएं भी। वह मंदिर में पूजा करने जा रहे थे।

घटना के बाद कार लेकर भाग रहे चालक को बाइक सवार युवकों ने पीछा किया, तो राजघाट के ट्रांसपोर्ट नगर के पास अनियंत्रित होकर कार नाले में जाकर फंस गई। इसके बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

पैकौली निवासी 73 वर्षीय रामफल हरिजन प्रतिदिन गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन पार करके शिव मंदिर पर पूजा अर्चना करने जाते थे। बुधवार की सुबह 7:30 बजे वह पूजा

सामग्री लेकर फोरलेन पार कर रहे थे, तभी कौड़ीराम के तरफ से आ रही तेज रफ्तार टैक्सी कार यूपी 53 जेटी 1554 की चपेट में आ गए और उसमे फंस गए।

चालक उन्हें कुछ दूर तक घसीटते लेकर गया, इसके बाद छोड़कर फरार हो गया। मौके पर ही रामफल की मौत हो गयी। घटना के बाद कुछ युवकों ने बाइक से कार का पीछा किया। सूचना पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक रामफल के चार पुत्र और तीन पुत्रियां है।

राज्य स्वशासीय चिकित्सालय में धूमधाम से मनाया गया 'डाक्टर्स डे'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्वशासीय चिकित्सा महाविद्यालय में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सुल्तानपुर के संयुक्त तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सीएमओ सुल्तानपुर डॉ भारत भूषण ने सुल्तानपुर में चिकित्सकों को स्वास्थ्य प्रशासन के साथ सहयोग के लिए आवाहन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सलिल श्रीवास्तव ने स्वास्थ सेवाओं के बदलते परिवेश में ऑनलाइन पंप्रिसक्रिप्शन को अपनाने के बारे में जानकारी दी। आईएमए अध्यक्ष डॉ ए के सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और डॉ बी सी रॉय के महान और बहुमुखी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ आशीष ने चिकित्सकों के स्वास्थ को ठीक रखने के कुछ आसान नुस्खे बताए। डॉ जे पी सिंह ने चिकित्सक और चिकित्सकीय संगठनों में एकता के विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि एकता से ही चिकित्सक अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

इस अवसर पर आईएमए के सचिव डॉ अंकुर सेठ ने सुल्तानपुर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ वी एम के सिन्हा, डॉ इंदिरा सिंहा और डॉ ए सिंह को उनकी सेवा के लिए सम्मानित किया गया। जिला पुरुष चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ आर के मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। 1जुलाई सीए दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में सुल्तानपुर के चार्टर्ड अकाउंटेंट संतोष सिंह, अनुपम सिंह, सुनील शर्मा और पीयूष टंडन को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 250 चिकित्सक और समाज के विभिन्न वर्गों के प्रबुद्ध जनों ने प्रतिभाग किया।

अनफिट स्कूली वाहनों पर परिवहन विभाग ने कसा शिकंजा

बाराबंकी। छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, परिवहन विभाग ने जनपद में अनफिट स्कूली वाहनों के खिलाफ 1 से 15 जुलाई तक चलाएफ जा रहे विशेष सघन चेकिंग अभियान को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में आज, बुधवार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन व प्रवर्तन) श्रीमती अंकिता शुक्ला के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की। बुधवार को सघन चेकिंग के दौरान, यात्री व मालकर अधिकारी रविचंद्र त्यागी, संभागीय निरीक्षक प्राविधिक बलवंत सिंह यादव, और यातायात प्रभारी रामयतन यादव की संयुक्त टीम ने वाहनों की पत्रावलियों की गहन जांच की। इस अभियान के तहत, विभिन्न स्कूलों के 2 वाहनों को सीज कर दिया गया और 8 वाहनों के चालान किए गए, जो सुरक्षा मानकों और आवश्यक दस्तावेजों में कमी पाए गए थे। कार्रवाई यहीं नहीं रुकी।

पति को तड़पा-तड़पा के मारा, शरीर पर मिले ऐसे निशान . . दुश्मनों से भी दी बदतर मौत

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा के कोसीकलां के गांव ऐंच में एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक के परिजन हत्या का आरोप पत्नी के प्रेमी पर लगा रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार गांव का गोविंद मंगलवार की शाम 6 बजे शराब पीकर गांव से निकला था। देर रात तक जब वह घर नहीं लौटा, तो परिजन उसे खोजने निकले। गांव से करीब 500 मीटर दूर एक भट्टे के पास गोविंद का शव खून से लथपथ मिला। ग्रामीणों ने रात करीब 11:30 बजे पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

गर्दन को धारदार हथियार से काटा

गर्दन पर धारदार हथियार से काटे जाने के निशान मिले, लाश के आसपास खून ही खून बिखरा हुआ मिला। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गांव के ही युवक से थे प्रेम संबंध

मृतक के भाई गंगवासी उर्फ सचिन ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसके 27 वर्षीय भाई की गांव के गुंजार ने धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी। गुंजार के भाई की पत्नी कविता से अवैध संबंध थे। जिसको लेकर उसके भाई ने कई बार विरोध किया। पुलिस के अनुसार, मृतक कर्नाटक में कंबाइन मशीन चलाता था। वह पिछले 3 महीने से गांव में रह रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ढाई साल बाद भी नही लग सका दूरी संकेतांक बोर्ड

कूरेभार/सुल्तानपुर। अयोध्या प्रयागराज मार्ग के कूरेभार चौराहे पर भारी भरकम दूरी संकेतक बोर्ड सड़क चौड़ीकरण के बाद विभाग द्वारा लगवाया गया था। ढाई साल पूर्व एक ट्रक की ठोकर से मार्ग पर लगा दूरी संकेतांक बोर्ड गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया था। सूचना पर पुलिस पहुंच कर संकेतक बोर्ड को सड़क से हटवाया था। गनीमत यह रही कि देर रात दूरी संकेतक बोर्ड गिरा था। जिसमे कोई हताहत घटना नही हुई। तब से ढाई साल बीत गए लेकिन जिम्मेदार दूरी संकेतक बोर्ड लगाना मुनासिब नहीं समझा। वहीं दूरी संकेतक बोर्ड के न होने से बाहर से आने वाले वाहन चालकों, यात्रियों को आवागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा ता है। बड़ी बाजारों में शुमार कूरेभार बाजार है। कूरेभार चौराहे से अयोध्या , गोंडा, बस्ती, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, पीढ़ी, बेलवाई, धनपतगंज, हलियापुर समेत स्थानों पर जाने का

पिता और सौतेले भाई की हत्या: बेटे ने एक दिन पहले दी थी धमकी, फिर कार से कुचलकर मार डाला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव अलगनी में संपत्ति और लोन पर लिए एक लाख रुपये के विवाद में कार सवार युवक ने बाइक सवार पिता और सौतेले भाई की कुचलकर हत्या कर दी। उसने मंगलवार को दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद कार को मौके पर छोड़कर भाग गया।

गांव निवासी नन्हे खां (62) और उनका बड़ा बेटा मिसिरयार खां (33) दोपहर बाद बाइक से घर से फरीदपुर आ रहे थे। नन्हे की दूसरी पत्नी के बेटे मकसूद खां ने अपनी कार से उनकी बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। कार से कुचलकर बाइक सवार नन्हे व मिसिरयार खां की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

बुजुर्ग नन्हे और उनके बड़े बेटे मिसिरयार खां की हत्या संपत्ति के असमान बंटवारे का नतीजा बताई जा रही है। नन्हे अपने बड़े बेटे पर ज्यादा खर्च करते थे। इससे दूसरा बेटा उनसे रंजिश मानने लगा था। सीओ फरीदपुर संदीप कुमार सिंह ने कहा कि आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

नन्हे खां ने दो शादियां की थीं। उनकी पहली शादी फरीदपुर थाना क्षेत्र के पदारथपुर गांव निवासी हुस्नबानो से हुई थी। हुस्नबानो की संतान मिसिरयार थे। हुस्नबानो की मौत के बाद नन्हे खां ने बहेड़ी के मितहापुर निवासी जरीना से दूसरी शादी की। दूसरी पत्नी की संतान मकसूद खां है। विवाद की वजह से जरीना नन्हे खां और मकसूद को छोड़कर चली गईं। नन्हे खां ने पिता होने का फर्ज निभाया और दोनों बेटों की शादी कर दी। दोनों के बच्चे भी हैं।

बड़ा बेटा मिसिरयार गांव में किराना की दुकान चलाता था। मकसूद वैन चलाकर परिवार पालता था। नन्हे अपने बड़े बेटे मिसिरयार खां के साथ रहते थे, जबकि मकसूद मकान के दूसरे हिस्से में रहता था। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि नन्हे ने अपनी 22 बीघा जमीन में से चार-चार बीघा जमीन दोनों बेटों को जोतने-बोने के लिए दी थी। मकसूद जिद करता था कि कुल जमीन का एक तिहाई हिस्सा उसे चाहिए।

पिता ने लिया कर्ज तो दी धमकी

पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि नन्हे अपने बड़े बेटे के परिवार पर ही खर्च करते थे। नन्हे ने अपनी जमीन पर तीन लाख रुपये का लोन लिया था। सोमवार को वह बैंक से रुपये निकाल कर लाए। तब मकसूद ने उसमें से एक लाख रुपये मांगे। नन्हे ने रुपये देने से मना किया तो मकसूद अपने पिता व सौतेले भाई को जान से मारने की धमकी देकर चला गया था।

पुलिस पहले संज्ञान लेती तो बच सकती थी पिता-पुत्र की मौत

दोहरे हत्याकांड के बाद ग्रामीणों में चर्चा है कि पुलिस पहले से संज्ञान लेती तो पिता-पुत्र की जान बच सकती थी। मकसूद अक्सर पिता से लड़ता था। ग्रामीणों के मुताबिक, सोमवार को जब मकसूद ने धमकी दी, तभी नन्हे ने पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने सोमवार को वीवीआइपी ड्यूटी में व्यस्त होने की वजह से इसे घरेलू विवाद मानकर संज्ञान नहीं लिया।

वहीं, इंस्पेक्टर राधेश्याम का कहना है कि सोमवार को किसी ने ऐसी शिकायत नहीं की थी, न ही कोई थाने आया था। उन्हें मंगलवार को भी एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। मौके पर जाकर जांच की गई तो हत्या का पता लगा।

संपत्ति विवाद में वारदात को दिया अंजाम

सीओ फरीदपुर संदीप कुमार सिंह ने बताया कि परिवार में संपत्ति का विवाद है। नन्हे के पास कुल 22 बीघा जमीन थी। उन्होंने दोनों बेटों को चार-चार बीघा जमीन दे दी थी, लेकिन मकसूद एक तिहाई जमीन मांग रहा था। हाल ही में नन्हे ने जमीन पर तीन लाख रुपये कर्ज लिया था। इसमें से वह एक लाख रुपये मांग रहा था। इसी बात पर पिता-पुत्र में तनातनी चल रही थी। आरोपी की तलाश में टीम लगाई गई है। आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

ग्रामीणों का बनाया गया आयुष्मान कार्ड

धनपतगंज/ सुल्तानपुर। विकास खंड धनपतगंज क्षेत्र के महंदीपुर ग्राम पंचायत भवन परिसर में बुधवार को एक दिवसीय विशेष आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम विकास अधिकारी जितेंद्र के निर्देश पर यह शिविर पंचायत सहायक सुमित्रा देवी की देखरेख में संपन्न हुआ। शिविर में कुल 10 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। 5 लोगों के आधार कार्ड सहित आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं थे। इन लोगों के कार्ड प्रपत्र उपलब्ध होने पर बनाए जाएंगे। आयुष्मान कार्ड न होने के कारण गरीब और जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। इसी समस्या के समाधान के लिए यह विशेष शिविर आयोजित किया गया। बैठकों में अक्सर आयुष्मान कार्ड की अनुपलब्धता के कारण योजनाओं का लाभ न मिलने की शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं। शिविर में आंगनवाड़ी शैलेन्द्र कुमारी,आशा देवी और ग्राम प्रधान छेदी राम व प्रधान प्रतिनिधि रामप्रताप यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

'उत्तर प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में खाद्य प्रसंस्करण बनेगा मजबूत आधार'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में बड़े स्तर पर पूंजी निवेश को बढ़ावा दे रही है। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निवेश और रोजगार के नए अवसरों को तेजी से बढ़ाया जाए और किसानों की उपज के अधिकतम उपयोग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत अब तक कुल 1188 उद्यमियों ने आवेदन किए हैं, जिनमें से 328 को स्वीकृति प्रदान करते हुए लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं। इनमें से 100 उद्यमियों को ₹155 करोड़ की सब्सिडी दी जा चुकी है। चालू वित्त वर्ष में 103 उद्यमियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया गया है और 30 उद्यमियों को ₹25 करोड़ की सब्सिडी वितरित की गई है। अब तक लगभग ₹5000 करोड़ का पूंजी निवेश हो चुका है, जिससे करीब 60 हजार लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हुआ है। प्रदेश में 50 हजार से अधिक किसानों की उपज का प्रसंस्करण इन इकाइयों के माध्यम से किया जा रहा है।उप मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के संचालन में गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एफएसएसएआई मानकों का पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता के उत्पाद प्राप्त हो सकें। साथ ही उन्होंने किसानों से कच्चा माल क्रय करने के लिए उद्यमियों के साथ अनुबंध की व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया।उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के कई जनपद विशिष्ट खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। उन्नाव, हरदोई और अमेठी को फूड प्रोसेसिंग हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। कानपुर और आगरा में आलू आधारित इकाइयाँ, गोरखपुर में मल्टीग्रेन, राइस ब्रान ऑयल और मिक्स फ्रूट से संबंधित इकाइयाँ, लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या में रेडी टू ईट उत्पादों की इकाइयाँ स्थापित हो रही हैं। वहीं बुंदेलखंड क्षेत्र में दाल आधारित इकाइयाँ, वाराणसी और आजमगढ़ में मुरमुरे और मल्टीग्रेन उत्पाद, प्रयागराज में फोर्टीफाइड राइस व पास्ता निर्माण, तथा हाथरस और अलीगढ़ में फल और सब्जी आधारित इकाइयों का विस्तार किया जा रहा है। आगरा और मथुरा से कोल्ड चेन और रिफर वैन सुविधाओं का उपयोग भी तेजी से हो रहा है।अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बी.एल. मीना ने बताया कि उद्यमियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभाग का उद्देश्य किसानों की उपज का मूल्यवर्धन करते हुए स्थानीय स्तर पर निवेश और रोजगार को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह नीति न केवल कृषि क्षेत्र को मजबूत करेगी बल्कि ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को भी गति देगी।उत्तर प्रदेश सरकार के इन प्रयासों से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र प्रदेश की आर्थिक प्रगति का एक मजबूत स्तंभ बनने की ओर अग्रसर है।

भाजपा नेता ने अपने जन्मदिन पर किया वृक्षारोपण

लखनऊ। समाजसेवी एवं भाजपा नेता अंशुल निगम ने सुशांत गोल्फ सिटी स्थित श्री दक्षिण मुखी हनुमान एवं शिव राधाकृष्ण मंदिर में बुधवार को अपने जन्मदिन पर दर्शन कर मंदिर परिसर में फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया। जिसमें आम, अमरूद एवं शरीफा के पेड़ लगाये गये I इस दौरान क्षेत्र के लोगो शिवम निगम, राकेश त्रिवेदी, अमित मिश्रा, रुद्र पांडे एवं मोहित मौर्या आदि सैकड़ो लोगो ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी । श्री निगम ने बताया कि वृक्षारोपण का उद्देश्य ये है कि जो भी श्रद्धालू मंदिर में दर्शन को आए उनको फल के साथ पेड़ों की छाया भी पर्याप्त मिले।

लखनऊ में गो सेवा आयोग की बैठक संपन्न, गोशालाओं को ऊर्जा व ग्रामीण अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने पर ज़ोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता की अध्यक्षता में आज राजधानी लखनऊ में गो-संवर्धन एवं गो-आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने को लेकर अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में आयोग के सदस्यों, गोशाला प्रबंधकों और विषय विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और हरा चारा, बायोगैस संयंत्र तथा पंचगव्य उत्पादों के जरिए गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया।अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि गो-सेवा की रीढ़ हरा चारा है, और पोषक आहार के अभाव में गो संरक्षण केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाएगा। बैठक में यह तय किया गया कि हर 100 गोवंशों के लिए न्यूनतम 10 एकड़ चरागाह भूमि आवश्यक होगी ताकि प्रतिदिन प्रति गोवंश औसतन 5 किलो हरा चारा उपलब्ध कराया जा सके। इसके लिए नेपियर घास, ज्वार, मकचरी, सुबबुल, ढेंचा और सहजन जैसी पौष्टिक चारा फसलों की बुवाई की जाएगी। हरे चारे की सतत आपूर्ति के लिए आईजीएफआरआई, झांसी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया, ताकि गोशालाएं वैज्ञानिक पद्धति से चारा उत्पादन कर सकें।बैठक में ₹फोडर बैंक₹ की अवधारणा पर भी गंभीरता से चर्चा हुई। इसके तहत क्षेत्रीय स्तर पर चारे का संचयन कर, जरूरतमंद गोशालाओं को मौसम के अनुसार आपूर्ति दी जा सकेगी। अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि गोशालाएं केवल आश्रय स्थल नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादन के केंद्र बनें। इसी दिशा में गोबर से बायोगैस संयंत्रों की स्थापना के लिए CSR फंडिंग और जिलास्तरीय समन्वय के प्रस्ताव तैयार करने का निर्णय लिया गया।

चर्च में मंदिर ने नाम पर भ्रामक प्रचार व धर्मांतरण की हुई पुलिस से शिकायत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र में स्थित एक चर्च द्वारा मंदिर के नाम पर भ्रामक प्रचार कर हिंदू समाज को गुमराह करने एवं अवैध धर्मांतरण कराने के प्रयास की शिकायत पुलिस से को गई है।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल, लखनऊ (ग्रामीण) के जिला सह संयोजक मोहित के अनुसार गोसाईगंज क्षेत्र के शिवलर गांव में स्थित चर्च द्वारा अपने बाहरी बोर्ड पर मंदिर शब्द का प्रयोग कर एवं यीशु मंत्र लिखकर हिंदू समाज को जानबूझकर भ्रमित किया जा रहा है।उनका आरोप है कि चर्च के लोगों के द्वारा भोले-भाले नागरिकों को अवैध रूप से धर्मांतरण की और ले जाना का प्रयास किया जा रहा है।जिससे धार्मिक भावनाएं आहत होने के साथ साथ सामाजिक समरसता भी खतरे में पड़ रही है।उन्होंने एक ज्ञापन के द्वारा चर्च स्थल की प्रशासनिक जांच किये जाने और यदि वह चर्च है तो मंदिर का नाम दर्शाकर लोगों को गुमराह करने वालों पर धोखाधड़ी व धार्मिक भावना भड़काने का मुकदमा दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाए।वहीं धर्मांतरण की किसी भी प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए उसके पीछे कार्यरत व्यक्तियों/संगठनों की जांच की कराए जाने की मांग की है।लगभग डेढ़ दर्जन लोगों के द्वारा हस्ताक्षर किया गया यह ज्ञापन उन्होंने गोसाईगंज पुलिस को देने साथ ही इसकी एक एक प्रति उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश जिलाधिकारी लखनऊ पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश को भी भेजी है। इस सम्बंध में इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि लोगो की शिकायत के बाद पुलिस भेजकर चर्च पर मंदिर के नाम से लगा बोर्ड हटवाया गया है। बाकी मामले की जाँच की जा रही है।

पीएनबी का बड़ा फैसला: बचत खातों पर न्यूनतम बैलेंस न रखने पर अब नहीं लगेगा कोई शुल्क

लखनऊ। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और ग्राहकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने सभी बचत खातों में न्यूनतम औसत बैलेंस न रखने पर लगने वाले शुल्क को पूरी तरह समाप्त करने की घोषणा की है। यह निर्णय 1 जुलाई 2025 से लागू हो गया है।बैंक ने यह निर्णय विशेष रूप से महिलाओं, किसानों, मजदूरों और कम आय वर्ग के खाताधारकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया है, ताकि बैंकिंग सेवाओं को और अधिक सुलभ, सरल और समावेशी बनाया जा सके। अब खाताधारकों को न्यूनतम बैलेंस न रखने के कारण किसी प्रकार की आर्थिक दंडात्मक कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे लाखों ग्राहकों को सीधा लाभ मिलेगा।

IIT कानपुर और IBM की साझेदारी से उत्तर प्रदेश में वायु प्रदूषण के खिलाफ AI आधारित बड़ा अभियान शुरू

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। विकसित भारत की दिशा में सतत और पर्यावरण-संतुलित विकास के उद्देश्य से एक अहम पहल करते हुए IIT कानपुर के Airawat Research Foundation ने IBM के साथ वायु गुणवत्ता प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के इस्तेमाल को लेकर रणनीतिक साझेदारी की है। इस पहल से उत्तर प्रदेश के शहरी और ग्रामीण इलाकों में वायु प्रदूषण की वास्तविक समय पर निगरानी और स्रोत विश्लेषण संभव हो सकेगा।Airawat Research Foundation, जो कि AI आधारित शहरी स्थायित्व के लिए एक Centre of Excellence है, ने इस साझेदारी के तहत एक AI-आधारित वायु गुणवत्ता स्टैक (Air Quality Stack) विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस स्टैक के जरिए कम लागत वाले देसी सेंसर, मोबाइल एयर लैब और उन्नत मशीन लर्निंग मॉडल के माध्यम से प्रदूषण के स्रोतों की सटीक पहचान, हॉटस्पॉट विश्लेषण और नीतिगत निर्णयों को बेहतर बनाने का काम किया जाएगा।इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी — जो कि कोटक स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के डीन और एयरावत फाउंडेशन के निदेशक हैं — ने बताया कि उत्तर प्रदेश और बिहार के 1,365 प्रशासनिक ब्लॉकों में कम लागत वाले सेंसर लगाए गए हैं। इससे भारत का पहला एयरशेड-आधारित फ्रेमवर्क तैयार हुआ है, जिसमें प्रदूषण सीमाओं को डेटा आधारित तरीके से पहचाना गया है। उन्होंने बताया कि बिहार और यूपी की सीमा पर एक साझा एयरशेड चिन्हित हुआ है, जिससे दोनों राज्यों के बीच सहयोग की आवश्यकता स्पष्ट होती है।लखनऊ में मात्र 12 दिनों की तैनाती में मोबाइल एयर क्वालिटी लैब ने औद्योगिक उत्सर्जन, धातु-आधारित प्रदूषक, ई-कचरे का जलना और कोयले का दहन जैसे प्रमुख स्रोतों की पहचान की है। यह तकनीक अब हर ब्लॉक स्तर पर 0.5 वर्ग किलोमीटर की सटीकता से PM2.5 की गणना करने में सक्षम है। अकेले लखनऊ में प्रतिदिन लगभग 2 लाख डेटा पॉइंट्स तैयार किए जा रहे हैं।उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष रवींद्र प्रताप सिंह ने इसे वायु गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि ₹सरकारी नेटवर्क में जहां केवल 110 मॉनिटर हैं, वहीं IIT कानपुर की टीम ने 1,365 सेंसर लगाकर बेहद बारीक और व्यावहारिक डेटा देना शुरू कर दिया है। यह नीति निर्माण के लिए बेहद मददगार साबित हो रहा है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने कहा, ₹ब्लॉक स्तर पर मिले आंकड़े दर्शाते हैं कि आजमगढ़, कुशीनगर, श्रावस्ती जैसे जिलों की हवा शहरी इलाकों से भी बदतर है।

लखनऊ नगर निगम चलाएगा पेट डॉग लाइसेंस चेकिंग अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। शहर में पालतू कुत्तों की संख्या बढ़ने और उनके पंजीकरण में आ रही गिरावट को देखते हुए लखनऊ नगर निगम के पशु कल्याण विभाग ने जुलाई माह में विशेष पेट डॉग लाइसेंस चेकिंग अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह कदम विभाग को लगातार मिल रही शिकायतों और नियमों की अनदेखी के मामलों के आधार पर उठाया गया है।नगर निगम के अनुसार वर्तमान में केवल 1450 पेट डॉग लाइसेंस पंजीकृत हैं, जबकि अनुमान है कि शहर में 10,000 से अधिक लोग पालतू कुत्ते पाल रहे हैं। यह अंतर निगम के रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति के बीच बड़ी खाई को दर्शाता है, जिसे लेकर पशु कल्याण विभाग गंभीर है। निगम ने चेतावनी दी है कि बिना लाइसेंस कुत्ता पालने पर 50 प्रतिदिन के हिसाब से विलंब शुल्क देना होगा, जो अधिकतम 5000 तक पहुंच सकता है। इसके अलावा, चेकिंग के दौरान यदि बिना लाइसेंस कोई कुत्ता पाया गया, तो पालक से 5000 तक का जुर्माना वसूला जाएगा और आवश्यकतानुसार विधिक कार्रवाई भी की जाएगी।लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से की जा सकती है। इच्छुक श्वान पालक लखनऊ नगर निगम की वेबसाइट lmc.up.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।देसी नस्ल के कुत्तों के लिए लाइसेंस शुल्क 200 प्रति वर्ष और विदेशी नस्ल के लिए 1000 प्रति वर्ष निर्धारित है। यह लाइसेंस हर वित्तीय वर्ष के अंत तक वैध रहता है और समय पर नवीनीकरण कराना आवश्यक है।नगर निगम ने सभी श्वान पालकों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समयसीमा में लाइसेंस बनवाएं और नगर निगम के नियमों का पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही से बचा जा सके।

योगी सरकार के स्कूल बंद करने के फैसले के खिलाफ आप का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन, लखनऊ में भी गिरफ्तारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ,उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा 27,000 सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने के निर्णय के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने बुधवार को प्रदेशव्यापी आंदोलन किया। मेरठ, आगरा, आजमगढ़, गोंडा, सिद्धार्थनगर, सुल्तानपुर, मिर्जापुर, गाजियाबाद, अमरोहा, बागपत, अलीगढ़, बलिया, सहारनपुर, जौनपुर और लखनऊ सहित दर्जनों जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।राजधानी लखनऊ में अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल और जिला अध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में आप कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहा, कैसरबाग पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस के साथ तीखी झड़प हुई और हालात को बिगड़ते देख पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।प्रदर्शन के दौरान विनय पटेल ने कहा कि योगी सरकार 27,000 शराब की दुकानें खोलकर उतनी ही संख्या में सरकारी स्कूल बंद करने जा रही है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गरीब बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में इस तुगलकी फैसले के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष कर रही है और तब तक नहीं रुकेगी जब तक यह आदेश वापस नहीं लिया जाता। उनका कहना था कि सरकार की इस नीति से कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न हो, यही पार्टी का संकल्प है।उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों में उत्तर प्रदेश के 42 लाख बच्चों ने सरकारी स्कूलों को छोड़ दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, एक ही वर्ष में आठ लाख बच्चों ने सरकारी स्कूलों की पढ़ाई छोड़ी, जिनमें अकेले अलीगढ़ जिले में 58,000 छात्र शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि 26,000 स्कूल पहले ही बंद हो चुके हैं और अब 27,000 और बंद किए जा रहे हैं, जिससे न केवल बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी, बल्कि लगभग 1 लाख 35 हजार सहायक शिक्षकों, 27,000 प्रधानाध्यापकों और हजारों शिक्षामित्रों की संभावित नियुक्तियों पर भी खतरा मंडरा रहा है।जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि सरकार का काम जनता की समस्याएं हल करना होता है, लेकिन यहां सरकार खुद समस्या बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का तर्क है कि स्कूलों में बच्चों की संख्या कम है, मगर सवाल यह है कि बच्चों को स्कूल तक लाना किसकी जिम्मेदारी है? यदि सरकार की ओर से स्कूल खोले गए थे।

युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

- पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा
- सुबह गांव के एक व्यक्ति से हुई थी मारपीट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के सुरियामऊ गांव में बुधवार को एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई जिसका शव उसके घर के अंदर पड़ा मिला।मृतक के शरीर पर चोट के निशान थे।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

गोसाईगंज के सुरियामऊ गांव के रहने वाले रमेश (22) का शव बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में उसी के घर में पड़ा मिला।उसके मत्थे और कंधे पर चोट के निशान थे।परिजनों कि सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस का कहना है कि बुधवार की सुबह रमेश गांव में ही एक किराने की दुकान पर सामान खरीदने गया था जहाँ किसी बात को लेकर दुकानदार से कुछ विवाद हो गया था। आरोप है कि इसी बात को लेकर दुकानदार के बेटे अमन और रमेश में मारपीट हुई थी।जिसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी।पुलिस के पहुंचने पर विवाद शांत हो गया था और रमेश अपने घर चला गया।रमेश के पिता पूर्णमासी के अनुसार शाम को उसकी मौत हो गई।इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों ने अभी तक इस मामले की कोई तहरीर नहीं दी है।

7वीं मोहर्रम के जुलूस को लेकर लखनऊ की यातायात व्यवस्था 3 जुलाई को बदलेगी, कई मार्गों पर रहेगा प्रतिबंध

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार 7वीं मोहर्रम के अवसर पर 3 जुलाई 2025 को राजधानी लखनऊ में पारंपरिक मेंहदी का जुलूस बड़े इमामबाड़े से निकाला जाएगा। यह जुलूस शाम 7 बजे से आरंभ होकर रूमी गेट, घंटाघर, शीश महल, सतखंडा तिराहा, रईस मंजिल से होते हुए छोटा इमामबाड़ा पहुंचकर संपन्न होगा। इस दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने व्यापक डायवर्जन योजना लागू की है, जो शाम 5 बजे से प्रभावी होगी।यातायात पुलिस के अनुसार, जुलूस मार्ग पर तथा उससे सटे कई मुख्य मार्गों पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। शहर में प्रवेश करने वाले या भीतर आवागमन करने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जाएगा ताकि यातायात में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। विशेष रूप से सीतापुर रोड, हरदोई रोड, कैसरबाग, चौक, घंटाघर, हुसैनाबाद, शाहमीना तिराहा, नींबू पार्क, मेडिकल कॉलेज चौराहा, नक्खास और बंधा रोड क्षेत्रों में प्रतिबंध लागू रहेगा।सीतापुर रोड से आने वाला यातायात डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग से बड़ा इमामबाड़ा की ओर नहीं जा सकेगा और उसे आईटी चौराहा, कपूरथला, मड़ियांव की ओर डायवर्ट किया जाएगा। हरदोई रोड से आने वाले वाहन कोनेश्वर से आगे नहीं जा सकेंगे और उन्हें चौक व मेडिकल कॉलेज होते हुए आगे भेजा जाएगा। हुसैनाबाद तिराहा से छोटा इमामबाड़ा और घंटाघर की ओर जाने वाले सभी वाहन बंद रहेंगे। इसी प्रकार शाहमीना तिराहा, चौक चौराहा, नींबू पार्क फ्लाईओवर, मेडिकल क्रॉसिंग, नक्खास तिराहा और कुड़िया घाट रोड पर भी जुलूस के दौरान सामान्य ट्रैफिक प्रतिबंधित रहेगा।सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पक्का पुल चौराहे से लेकर बड़ा इमामबाड़ा, रूमी गेट, घंटाघर और छोटा इमामबाड़ा तक का सम्पूर्ण जुलूस मार्ग पूरी तरह से बंद रहेगा। आमजन को अनुरोध किया गया है कि वे ट्रैफिक पुलिस द्वारा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही प्रयोग करें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।हालांकि, आपातकालीन सेवाएं जैसे एम्बुलेंस, शव वाहन, अग्निशमन वाहन और स्कूली वाहन आवश्यक परिस्थितियों में प्रतिबंधित मार्गों पर भी ट्रैफिक पुलिस की निगरानी में संचालित किए जा सकेंगे। यदि किसी को इन परिस्थितियों में मार्ग की आवश्यकता हो तो वह ट्रैफिक कंट्रोल रूम के नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकता है।लखनऊ पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था में सहयोग करें ताकि मोहर्रम का यह पारंपरिक पर्व शांतिपूर्ण और गरिमामय ढंग से संपन्न हो सके।

कार लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला शातिर 24 घंटे में गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। हजरतगंज थाना पुलिस ने कार लोन दिलाने का झांसा देकर डाउन पेमेंट की रकम हड़पने वाले एक शातिर ठग को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी खुद को फाइनेंस कंपनी का एजेंट बताकर लोगों को झांसे में लेता था और कूटरचित दस्तावेज दिखाकर लाखों रुपये की ठगी कर चुका था।पुलिस के अनुसार, पीड़ित किशन गुप्ता, निवासी तेलीबाग, लखनऊ ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसका सिबिल स्कोर खराब होने के कारण लोन स्वीकृत नहीं हो पा रहा था। इस दौरान एक व्यक्ति जिसने खुद को ₹अभिषेक शर्मा₹ बताया, ने पीड़ित से संपर्क कर खुद को Poonawalla Fincorp से जुड़ा एजेंट बताया और लोन दिलाने का दावा किया। आरोपी ने ₹8,15,000 का फर्जी लोन स्वीकृति पत्र भेजकर भरोसा दिलाया और डाउन पेमेंट के नाम पर ₹1,68,541 एक बैंक खाते में जमा करवा लिए। पैसे मिलते ही आरोपी ने कॉल उठाना बंद कर दिया।हजरतगंज पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए अभियुक्त की पहचान विनोद शाताराम गड़ाखपाटिल उर्फ अभिषेक शर्मा (निवासी – फ्लैट नं. 501, बालाजी अपार्टमेंट, रामलिंगम रोड, थाना शिरूर, पुणे, महाराष्ट्र) के रूप में की। उसे राणा प्रताप मार्ग, शाहनजफ रोड से देर रात गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में सामने आया कि आरोपी फर्जी एजेंट बनकर कार शोरूमों में ऐसे लोगों की तलाश करता था जिनका लोन आवेदन खराब सिबिल स्कोर के चलते रिजेक्ट हो चुका हो। फिर वह उन्हें फर्जी लोन स्वीकृति पत्र भेजकर डाउन पेमेंट जमा कराने को कहता था और उसके बाद फरार हो जाता था।

लखनऊ में एक लाख का इनामी बदमाश मुठभेड़ में दबोचा, राजधानी व खीरी में दो दर्जन से अधिक वारदातों में था वांछित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पूर्वी जोन की क्राइम ब्रांच और थाना गोमतीनगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लंबे समय से फरार चल रहा एक लाख रुपये का इनामी शातिर लुटेरा अनुभव शुक्ला उर्फ राजा उर्फ अनुभव मिश्रा को मंगलवार रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अभियुक्त खीरी जनपद के शिवपुरी इलाके का रहने वाला है और राजधानी लखनऊ समेत खीरी जिले के कई थानों में लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर अपराधों में वांछित था। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने साथी ब्रजेश तिवारी उर्फ विष्णु के साथ मिलकर लूट की वारदातों को अंजाम देता था।पुलिस को ग्वारी पुल रेलवे लाइन के पास संदिग्ध व्यक्ति की मौजूदगी की सूचना मुखबिर के माध्यम से मिली थी। जब पुलिस टीम वहां पहुंची तो संदिग्ध युवक ने खुद को घिरता देख पुलिस पर दो बार फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली उसके पैर में लगी और उसे मौके पर ही दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसकी पहचान अनुभव शुक्ला के रूप में हुई।अभियुक्त के कब्जे से .32 बोर की एक पिस्टल, एक जिन्दा व एक खोखा कारतूस, पीली धातु की एक चेन का टुकड़ा, दो कान की बालियों के टुकड़े और एक टिक्की बरामद की गई है। पूछताछ में अनुभव ने हाल के दिनों में राजधानी लखनऊ और जनपद खीरी में की गई लूट व चोरी की कई घटनाओं को कबूल किया है।उसने बताया कि 28 जून को थाना गोमतीनगर क्षेत्र के विवेकखंड में महिला से चेन और पेंडेंट की लूट की थी, इसके बाद उसी दिन कृष्णानगर और विकासनगर में दो महिलाओं को निशाना बनाकर गहने छीने। 27 जून को खीरी जिले में खाद की दुकान के बाहर से बाइक चोरी की वारदात को भी अंजाम दिया गया था। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त बेहद शातिर और संगठित ढंग से वारदात करता था।अनुभव शुक्ला के खिलाफ कोतवाली सदर खीरी, विकासनगर, गोमतीनगर, कृष्णानगर और अन्य थानों में कुल दो दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष

बिहार में मतदाता सूची के ₹विशेष गहन पुनरीक्षण₹ (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन — एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक्त किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराज़गी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, "क्योंकि महाराष्ट्र की यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।"

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण "पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम" है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ₹निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है।₹ जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है? नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

संविधान का अनुच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के- चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे।

डिजिटल इंडिया का एक दशक, दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है

नरेंद्र मोदी

दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था जहाँ दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे की नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया। जहाँ दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और ग़रीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया।

जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है।

यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ।

2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं।

आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

भारत का 5G रोलआउट विश्व में सबसे तेज़ रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुँच चुका है।

इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने UPI जैसे प्लेटफार्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गयी है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपये की लीकेज रोकी गई है।

स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी काड्र्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक MSMEs और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है।

ONDC (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है।

GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) आम आदमी को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है।

कल्पना कीजिएः आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप GeM पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के माध्यम से इसे और बड़ा बनाते हैं।

ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है- जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ 6 महीनों में हुए हैं। बनारसी बुनकरों से लेकर नागालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुँच रहे हैं।

GeM ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपये का GMV पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं, जिनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित MSMEs हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपये की आपूर्ति की है।भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI)- जैसे आधार, CoWIN, डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-WANI, और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन- को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है।

CoWIN ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ QR-सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए। DigiLocker, जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से होस्ट कर रहा है।

भारत ने अपनी G20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल DPI रिपॉजिटरी और $25 मिलियन का सोशल इम्पैक्ट फंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें।

भारत अब विश्व के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहीं है, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है। भारत में युवाओं के बीच AI स्किल्स और AI टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है।

$1.2 बिलियन इंडिया AI मिशन के तहत भारत ने 34,000 GPUs की पहुँच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है —$1 से भी कम प्रति GPU Hour. इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकोनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है।

भारत ने मानवता-पहले AI की वकालत की है। नई दिल्ली डिक्लरेशन ऑन AI जिम्मेदारी के साथ नवाचार को बढ़ावा देता है। देशभर में AI सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं।

अगला दशक और भी अधिक परिवर्तनकारी होगा। हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढ़कर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं — इंडिया फर्स्ट से इंडिया फॉर द वर्ल्ड तक।

डिजिटल इंडिया अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, यह जनआंदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है, और भारत को दुनिया का विश्वसनीय नवाचार साझेदार बना रहा है। सभी इनोवेटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, और ड्रीमर्स सेः दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है।

- आइए हम वह बनाएं जो सशक्त बनाता है।
- आइए हम ऐसे हल निकालें जो वास्तव में मायने रखता है।
- आइए हम उस तकनीक के साथ नेतृत्व करें जो unite, include, और uplift करती है।

ब्लॉग

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

ललित गर्ग

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है।

कोलकाता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषतः राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है।

यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फ़टकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नज़र आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा।

सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए जन-प्रतिनिधियों को ज्यादा संवेदनशील होने की अपेक्षा की जाती है। बड़ा प्रश्न है कि आखिर किसी राजनेता को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट क्यों एवं कैसे मिल जाती है।

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। जैसे 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद के सामान्य से बयान पर अच्छा खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही एक गर्भवती महिला राजनेता के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा, वो आम लोगों की आवाज़ क्या उठाएंगी?' इसके लिए पार्षद को माफ़ी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अकसर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। मिसाल के तौर पर 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था कि महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमज़ोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।' इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था और उन्हें मिलने वाला भत्ता भी बंद हो गया था।

कोलकाता की लॉ छात्रा मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बनना चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है। ऐसे मामलों में अत्याचार करने वालों की ही भांति अत्याचार का समर्थन करने वाले दोषी है। अत्याचारियों के लिये ही त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय एवं राजनीति की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो ईमानदार स्वीकारोक्ति, पड़ताल एवं निष्पक्ष न्याय से ही यह संभव होगा।

अजब-गजब

लंच ब्रेक के बाद अचानक महिला ने दिया बच्चे को जन्म, बोली– मुझे नहीं पता था कि मैं प्रेग्नेंट हूं

किसी भी महिला के लिए मां बनना किसी वरदान से कम नहीं होता है. हालांकि ये उस मुसीबत भी बन जाती है. जब इसके बारे में किसी को कुछ पता ना हो और वो अचानक से बच्चे को जन्म दे दे! ये किस्से अजीब जरूर होते हैं, लेकिन जब लोगों के बीच ये चर्चा में आते हैं तो हर कोई हैरान रह जाता है। ऐसा ही एक मामला इन दिनों चीन से सामने जहां एक महिला लंच के दौरान पेट दर्द की शिकायत को लेकर अस्पताल पहुंची और जब वो वहां से बाहर आई तो वो मां बन चुकी थी

हैरानी की बात तो ये है कि वो अस्पताल खुद अपनी इलेक्ट्रिक बाइक चलाकर पहुंची, लेकिन बाद में उसे इस बात की जानकारी हुई कि वह प्रेग्नेंट है और 1 घंटे बाद ही उसने एक बच्चे को जन्म दिया। फिलहाल चीन में ये मुद्दा हॉट टॉपिक बन चुका है और इसको लेकर लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं क्योंकि महिला का कहना है कि वो मां कैसे बनी उसे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

SCMP की रिपोर्ट के अनुसार, महिला अपने दर्द को लेकर अस्पताल पहुंची और डॉक्टरों ने जब जांची की उसका एमनियोटिक द्रव (Fluid) टूट गया। जिसके बाद डॉक्टरों ने तुरंत एक मैटरनिटी टीम का बुलाया। दोपहर करीब 3 बजकर 22 मिनट पर उसने नेचुरल डिलीवरी दी। हैरानी की बात ये है कि इतना सबकुछ होने के बाद महिला ने महिला ने बच्चे को नॉर्मल जन्म दिया और उस बच्चे का वजन ढाई किलो था। मीडिया से बात करते हुए ली ने कहा कि जब डॉक्टरों ने मुझे बताया कि मैं गर्भवती हूं, तो मैं पूरी तरह से हैरान रह गई। उसने माना कि उसे अपने पीरियड्स के न होने का पता चला।

ली ने बताया कि मेरा एक 6 साल का बेटा है और परिवार को लेकर मैंने या मेरे पति ने कभी कोई प्लानिंग नहीं की थी। ली ने बताया कि उन्होंने रिश्ता बनाने के दौरान पूरी सावधानी बरती थी, लेकिन ये सब कैसे हुआ मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। हालांकि मेरा बच्चा स्वस्थ है, जो मेरे मजबूत जीवनशैली को दिखाता है।

सावन का फुलप्रूफ प्लान तैयार! दुकान पर मालिक को नाम के साथ लिखनी होंगी ये चीजें

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। 11 जुलाई से पवित्र श्रावण मास की शुरुआत हो रही है। उत्तर प्रदेश के काशी में कांवड़ियों और शिवभक्तों का रेला लगने वाला है। मंदिर प्रशासन का अनुमान है कि सवा करोड़ के आस पास श्रद्धालु सावन में बाबा के दरबार में हाजिरी लगाएंगे। इसको लेकर वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने फुल प्रूफ प्लान बनाया है। वाराणसी पुलिस की ओर से कहा गया है कि उनकी कोशिश है कि हर एक आम श्रद्धालु सुरक्षित और खुश होकर बाबा को जल चढ़ाए। कांवड़ लेकर आने वालों को भी किसी तरह की कोई परेशानी न हो और उनकी धार्मिक पवित्रता बनी रहे।

सभी सर्किल थाना क्षेत्रों में ग्राम प्रधानों, सम्भ्रान्त व्यक्तियों, ग्राम प्रहरियों, होटल और ढाबा संचालकों, कांवड़ शिविर संचालकों, डीजे संचालकों के साथ मीटिंग के लिए निर्देश दिए गए। श्रावण महीने की कांवड़ यात्रा को देखते हुए मार्ग पर सेंसिटिव इलाकों को चिन्हित कर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और निगरानी रखी जाएगी।

सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी

कांवड़ मार्गों की निगरानी ड्रोन से कराई जाएगी और साथ ही सीसीटीवी कैमरों की संख्या को भी बढ़ाया जा रहा है, जिनसे लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। साथ ही महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और मदद के लिए रास्तों पर महिला पुलिस बल को भी तैनात किया जाएगा। गंगा नदी के बढ़ते हुए जल स्तर को ध्यान में रखते हुए घाटों पर बैरिकेडिंग की जाएगी और जल पुलिस के साथ गोताखोरों की तैनाती की जाएगी।

ट्रैफिक डायवर्जन प्लान एडवाइजरी

सभी थाना प्रभारियों को कांवड़ यात्रा मार्गों को अतिक्रमण मुक्त, पुलिस गश्त बढाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही ट्रैफिक डायवर्जन प्लान एडवाइजरी समय से जारी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान म्यूजिक सिस्टम की आवाज को तय लिमिट से ज्यादा नहीं करने के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे किसी को असुविधा न हो।

1500 पुलिसकर्मी 24 घंटे रहेंगे तैनात

इसके साथ ही कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों के मालिक को अपने स्पष्ट नाम के बोर्ड के साथ होटल मेन्यू को लगाने का आदेश भी है। इसके अलावा कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर भी कुछ निर्देश जारी किए गए हैं। इसके लिए क्यूआरटी की 10 टीमें और लगभग 1500 पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात रहेंगे, 8 ड्रोन और 200 सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी की जाएगी, 10 अस्थायी पुलिस चौकी बनाई जाएगी।

गुप्तारघाट का बढ़ेगा आकर्षण, ओपन एयर थियेटर लगाएगा चार चांद

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में रामनगरी अयोध्या को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक वैभव का केंद्र बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अयोध्या के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को और अधिक निखारने के लिए गुप्तारघाट के सौंदर्यीकरण को और भी बढ़ावा दिया जा रहा है। यह परियोजना निश्चित ही पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। यहां राम दरबार का स्ट्रक्चर और ओपन एयर थियेटर लोगों को खूब भाएगा। गुप्तारघाट भगवान श्रीराम के जल समाधि लेने की पौराणिक कथा से जुड़ा है। अयोध्या के प्रमुख घाटों में से एक है। योगी सरकार ने इस घाट को एक आकर्षक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए तीसरे चरण के सौंदर्यीकरण कार्य को गति दी है। इस परियोजना पर लगभग 16.57 करोड़ रुपये की लागत से कार्य चल रहा है, जिसमें से 78 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है।

गर्लफ्रेंड ने मिलने बुलाया, फिर काट दिया बॉयफ्रेंड का प्राइवेट पार्ट, मां बोली– वो मेरे बेटे के पीछे...

आर्यावर्त संवाददाता

संत कबीरनगर। उत्तर प्रदेश के संत कबीरनगर जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जिले के खलीलाबाद कोतवाली इलाके के मुसहरा गांव में एक प्रेमिका ने अपने प्रेमी का प्राइवेट पार्ट ही काट डाला। बताया जा रहा है कि दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ, जिसके बाद प्रेमिका ने प्रेमी के साथ ऐसा किया। इसके बाद खून से लथपथ प्रेमी अपने घर पहुंचा।

परिवार वाले उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज किया गया। दरअसल, खलीलाबाद कोतवाली इलाके के जंगल कला का निवासी विकास निषाद (19) सोमवार को पड़ोस के मुसहरा गांव की ही अपनी प्रेमिका से मिलने गया था। दोनों में प्रेम संबध है। दोनों एक दूसरे से छह सालों से मिलते रहे हैं। सोमवार को विकास को उसकी प्रेमिका ने फोन किया और मिलने के लिए अपने घर बुलाया।

युवक ने पांच घंटे तक ब्लड रोकने की कोशिश की

इसके बाद रात में विकास अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचा। दोनों ने लगभग छह घंटे साथ में बिताए। प्रेमिका पर आरोप है कि उसने विकास के प्राइवेट पार्ट पर ब्लेड से हमला कर दिया। इस वजह से तेजी से खून बहने लगा। फिर विकास छटपटाता हुआ किसी तरह अपने घर पहुंचा। वहां पर उसने पांच घंटे तक ब्लड रोकने की कोशिश की, लेकिन उसकी हालत और खराब हो गई। इसके बाद परिवार वालों को जानकरी हुई तो तुरंत ही उसे अस्पताल लेकर भागे। हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में विकास का इलाज किया गया।

युवक की मां ने क्या कहा?

विकास बेहोस हो गया था। खून तीन घंटे में बंद हुआ। इतना ही नहीं विकास को खून चढ़ाया गया, तब जाकर उसको होस आया। विकास की मां ने कहा कि वो लड़की मेरे बेटे के पीछे पड़ी है। उसने ही सोमवार रात को मेरे बटे को मिलने के लिए अपने घर पर बुलाया। फिर सुबह उसके प्राइवेट पार्ट पर हमला कर दिया। इससे मेरे बेटे की जिदंगी खतरे में पड़ गई। वहीं खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने कहा कि अभी इस बारे में कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद मामला दर्ज किया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी।

बिना सहमति के उर्वरक के साथ कोई अतिरिक्त सामग्री न दी जाए: डीएम

बाराबंकी। धान रोपाई के समय किसानों को समय से पर्याप्त मात्रा में खाद मिले, इसकी सुनिश्चितता के उद्देश्य से जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने आज जिला कृषि अधिकारी के साथ जनपद के विकास खंड देवा फतेहपुर व बंकी अंतर्गत स्थित विभिन्न उर्वरक वितरण केंद्रों का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत विकासखंड देवा अंतर्गत स्थित पावैयाबाद व अन्य इफको केंद्रों से हुई, जहाँ जिलाधिकारी ने केंद्रों पर उपलब्ध उर्वरकों की मात्रा, वितरण प्रक्रिया, स्टॉक रजिस्टर, भंडारण स्थल आदि का जायज़ा लिया। उन्होंने केन्द्र प्रभारियों से खाद वितरण में पारदर्शिता और किसानों की संतुष्टि सुनिश्चित करने पर बल दिया। अगले चरण में उन्होंने बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी-पैक्स), रजौली विकास खंड फतेहपुर का भी निरीक्षण कर समिति की कार्यप्रणाली, उर्वरक वितरण प्रणाली तथा भंडारण व्यवस्था की समीक्षा की।

'देवर और जेठ के साथ मेरे संबंध...', पहले पति फिर सास की करवाई हत्या, शातिर बहू की खौफनाक हिस्ट्री

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में 24 जून को सास की हत्या करवाने वाली 29 वर्षीय बहू पूजा जाटव के लिए अगर शातिर शब्द भी कहा जाए तो वो भी कम है। कारनाने ही उसने कुछ ऐसे किए कि पूरा झांसी स्तब्ध है। सोशल मीडिया पर भी इसकी खूब चर्चा हो रही है। पहले उसने अपने पति पर गोली चलवाई। पति की मौत के बाद वह पहले अपने देवर कल्याण के साथ झांसी में लिव-इन-रिलेशन में रही। जब उसकी मौत हो गई तो वह अपने जेठ के साथ गांव में लिव-इन-रिलेशन में रहने लगी।

इसके बाद अब उसने अपनी बहन और उसके प्रेमी के साथ मिलकर अपनी सास की हत्या की और करीब 8 लाख रुपए के जेवर लेकर फरार हो गई। पूजा और उसकी बहन को गिरफ्तार तक पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी थी। अब पूजा की बहन के फरार प्रेमी अनिल को पुलिस ने एनकाउंटर में घायल कर गिरफ्तार कर लिया है।

बहू ने बहन के बॉयफ्रेंड से करवाई सास की हत्या

जानकारी के मुताबिक, टहरौली थाना के गांव कुम्हरिया में रहने वाली करीब 54 साल की सुशीला देवी की 24 जून की सुबह हत्या हो गई थी। पुलिस की छानबीन में सुशीला की छोटी बहू पूजा और उसकी बहन कमला उर्फ कामनी और उसके प्रेमी अनिल वर्मा का नाम सामने आया था। पुलिस ने पूजा और कमला को पकड़कर पहले ही जेल भेज दिया था, जबकि कमला का प्रेमी अनिल पुलिस की पकड़ से दूर चल रहा था, जिसकी तलाश की जा रही थी।

हत्या का आरोपी मुठभेड़ में घायल

फरार चल रहा अनिल मंगलवार रात चोरी के गहने बेचने के लिए किसी रिश्तेदार के पास जा रहा था। पुलिस की नजर उस पर पड़ गई। उसे रोकने की कोशिश की गई तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने अपने बचाव में जवाबी फायरिंग की, जिसमें अनिल घायल हो गया। इलाज के लिए उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इसके पास से मृतक महिला के घर से चोरी किए गए 8 लाख रुपए के जेवरात, बाइक और तमंचा बरामद किया है।

शादीशुदा जेठ संग रिलेशनशिप में रही पूजा

पुलिस के मुताबिक, पूजा ने खुद अपने देवर कल्याण सिंह के साथ लिव इन रिलेशन में रहने की बात कबूल की है। 6 साल पहले कल्याण सिंह की मौत हो गई तो जेठ संतोष और ससुर अजय उसे अपने गांव कुम्हारिया ले गए। इसी बीच वह शादीशुदा जेठ के साथ भी रिलेशनशिप में रही, जिससे उसकी एक बेटी भी हो गई। पिछले एक साल से घर में विवाद हो रहा था। जेठ की पत्नी रागिनी नहीं चाहती थी कि वह दोनों साथ रहें। जिसके बाद वह 9 महीने पहले अपने मायके चली गई थी। पूजा ने बताया कि जेठ और ससुर के पास 16 बीघा जमीन है। वह अपने हिस्से की 8 बीघा जमीन बेचकर ग्वालियर में रहना चाहती थी। जेठ और ससुर तैयार थे, लेकिन सास सुशीला मना कर रही थी। इसीलिए उसकी हत्या करवा दी।

यातायात कार्यालय के नवीनीकरण का एसएसपी ने फीता काट कर किया शुभारंभ

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने बुधवार को पुलिस लाइन स्थित यातायात कार्यालय का नवीनीकरण शुभारंभ फीता काट कर किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन स्थित यातायात कार्यालय का नवीनीकरण कराते हुए लोकार्पण किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा सर्वप्रथम फीता काटकर शिलापट्ट का अनावरण किया गया। तत्पश्चात पुलिस बल के अधिकारी व कर्मचारीगण के साथ यातायात कार्यालय में बैठक कर जनपद में यातायात व्यवस्था के उचित प्रबन्धन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ओम प्रकाश सिंह, क्षेत्राधिकारी आपरेशन, क्षेत्राधिकारी यातायात, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस बल के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

'पति तो यही बनेगा मेरा...', दूल्हे ने तोड़ी शादी, दुल्हन भी जिद पर अड़ी, जवाब सुन पुलिस ने पकड़ लिया माथा

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक दुल्हन ने अपने मंगेतर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। लेकिन कहा- आप उसके खिलाफ कोई कार्रवाई मत करना। मुझे शादी उसी से करनी है। इस केस में पुलिस भी खुद हैरान रह गई कि वो करे तो आखिर क्या करे। मामला गोरखपुर के सहजनवां थाना क्षेत्र का है।

यहां रहने वाली एक लड़की की एक साल पहले खलीलाबाद के रहने वाले लड़के के साथ सगाई हुई थी। दोनों के बीच पहले से अफेयर था। उन्होंने घर वालों को शादी के लिए मनाया। घर वाले मान भी गए। लेकिन एक साल बाद लड़के ने लड़की से कहा- मैं यह रिश्ता तोड़ रहा हूं। मुझे तुमसे शादी नहीं करनी। यह सुनकर दुल्हन सन्न रह गया।

दुल्हन ने थाने में जाकर पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने दूल्हे को हिरासत में लिया और थाने ले आई। दुल्हन को भी वहां बुलाया गया। दूल्हे को हिरासत में देख दुल्हन बोली- साहब! इसके खिलाफ एक्शन मत लेना। मैं इसी से शादी करना चाहती हूं। पुलिस भी दुल्हन का जबाव सुनकर दंग रह गई। दूल्हा जहां बोल रहा था कि मैं ये शादी नहीं करना चाहता। वहीं, दुल्हन भी उसी के साथ शादी करने की जिद पर अड़ी हुई है।

लड़के ने किया शादी से इनकार

दोनों तरफ की बातों को सुनने के बाद मंगलवार को पुलिस ने लड़के का शांतिभंग में चालान कर दिया। पुलिस ने बताया- लड़के के शादी न करने के फैसले से लड़की और उसके परिवार सन्न रह गए। फिर लड़की ने सुनवाई में इसकी शिकायत की। पुलिस लड़के को हिरासत में लेकर थाने लाई। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। पुलिस ने बताया- वहां भी लड़के ने शादी से इनकार कर दिया। जबकि, लड़की उसी से शादी करना चाहती है। उसने शिकायत तो कर दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं चाहती है।

लड़के ने फोन करना भी बंद किया

बताया जा रहा है कि इस मामले में लड़के और लड़की के बीच पहले लव अफेयर था। अफेयर के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया था। उनकी सगाई भी हो गई, लेकिन शादी की तारीख अभी तय नहीं हुई थी। इसी बीच में किसी बात पर दोनों में मनमुटाव हो गया। लड़के ने फोन पर बातचीत करना बंद कर दिया। बात न होने से लड़की परेशान हो गई। इस दौरान लड़के के परिजनों ने भी लड़की के घरवालों से सारे संबंध समाप्त कर दिए। दोनों पक्षों में समझौता कराने के लिए कई बार बातचीत हुई लेकिन बात नहीं बनी। अब ये शादी होगी या नहीं, आने वाला वक्त ही बताएगा। इधर अब इस केस की हर कहीं चर्चा हो रही है।

'ज्यूडिशियल सिस्टम सड़ चुका है... 40 साल में 400 तारीख, फिर भी नहीं मिला न्याय', कोर्ट पर भड़के SC अधिवक्ता

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में 40 साल में 400 से ज्यादा तारीखें मिलने के बावजूद भी जब एक पीड़ित को न्याय नहीं मिल पाया तो ज्यूडिशियल सिस्टम पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय भड़क गए। उन्होंने कहा कि ज्यूडिशियल सिस्टम एकदम सड़ चुका है। ये मामला उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी जगमोहन यादव से जुड़ा हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने जौनपुर के जिस मामले का जिक्र करते हुए ज्यूडिशियल सिस्टम को सड़ा हुआ बताया। वह मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के तरहटी गांव के रहने वाले उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी जगमोहन यादव से जुड़ा है। इस गांव के निवासी शिव मंदिर के प्रबंधक और पुजारी विजय उपाध्याय का आरोप है कि शिव मंदिर के नाम से दर्ज साढ़े सात बीघा जमीन को पूर्व डीजीपी जगमोहन यादव ने अपने भाई बृजलाल यादव के बेटे निशांत के नाम दर्ज करा ली थी।

40 सालों से काट रहे अधिकारियों के चक्कर

मंदिर की जमीन न सिर्फ फर्जीवाड़ा करके अपने नाम दर्ज कराई गई। बल्कि उसे बलपूर्वक कब्जा भी कर लिया गया। पीड़ित इस मामले में अधिकारियों के पिछले 40 सालों से चक्कर काट रहा है। लेकिन उसकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कहा जा रहा है कि पूर्व डीजीपी जगमोहन यादव सपा मुखिया रहे मुलायम सिंह और अखिलेश यादव के बेहद करीबी हैं।

पूर्व डीजीपी के परिवार से जुड़ा है मामला

पीड़ित की जब जौनपुर में कोई सुनवाई नहीं हुई तो उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के निर्देश के बाद जब मामले की जांच हुई तो जो जमीन जगमोहन यादव के भतीजे के नाम दर्ज हुई थी। वह फर्जी पाई गई। फर्जीवाड़ा समाने आने के बाद अधिकारियों ने अपनी गर्दन बचाने के लिए निशांत यादव के नाम दर्ज जमीन वाले उस आदेश को निरस्त कर दिया। बताया जा रहा है कि फर्जीवाड़ा उजागर होने के बावजूद पूर्व डीजीपी के परिवार से मामला जुड़ा होने के चलते इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है। आज भी शिव मंदिर की ज़मीन का कब्जा मंदिर के प्रबंधक और पुजारी को वापस नहीं मिल पाया है।

शिव मंदिर की जमीन में फर्जीवाड़ा

पीड़ित न्याय की आस में पिछले 40 सालों से जौनपुर में अधिकारियों के यहां चक्कर काट रहा है। ये मामला चकबंदी कार्यालय में ही लंबित है। पीड़ित के अधिवक्ता अजय उपाध्याय ने टीवी9 से बातचीत में बताया कि शिव मंदिर की साढ़े सात बीघा जमीन फर्जीवाड़ा करके बलपूर्वक पूर्व डीजीपी जगमोहन यादव ने कब्जा करने के बाद दूसरी चकबंदी में गलत तरीके से तथ्यों को छिपाकर जमीन अपने भतीजे निशांत यादव के नाम दर्ज भी करा दी गई।

अब एक और अगली तारीख का इंतजार

उन्होंने आगे बताया कि इसकी जानकारी होने पर जब आपत्ति की गई तो भी कोई सुनवाई नहीं हुई। इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने के बाद कोर्ट के आदेश पर जब चकबंदी विभाग के अधिकारियों को तलब किया गया तो निशांत यादव के नाम दर्ज करने के आदेश को निरस्त करते हुए चकबंदी अधिकारियों ने फाइल को सीओ सदर के यहां ट्रांसफर कर दिया। फर्जीवाड़ा करके गलत तरीके से जमीन निशांत यादव के नाम दर्ज कराने के मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। चकबंदी विभाग के अधिकारी डीजीपी के रसूख के आगे मौन हैं, जबकि उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी।

'मन किया तो चला दिया गोली...' आगरा से गोलीबाज नेता गिरफ्तार, ताजमहल के पास की फायरिंग, पूछने पर दिया गजब जवाब

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। ताजमहल के पश्चिमी गेट पार्किंग के पास यलो जोन बैरियर के पास सोमवार को फायरिंग हुई थी। इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपी आजमगढ़ के भाजपा नेता और एलआइसी एजेंट पंकज कुमार सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी पंकज फायरिंग कर पुलिस को चकमा देकर भाग गया था। इसके बाद से आरोपी की तलाश हो रही थी।

आरोपी को लखनऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर आगरा पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लाइसेंसी रिवाल्वर और तीन कारतूस के खोखे बरामद किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसका मन किया, इसलिए फायरिंग की थी।

आरोपी पंकज कुमार सिंह ताज महल के पश्चिमी गेट पर सोमवार सुबह 9।15 बजे अर्टिगा कार से पहुंचे। आजमगढ़ के बलरामपुर निवासी पंकज ने खुद को भारत सरकार का अधिकारी बताकर ताजमहल गेट तक गाड़ी को ले जाने की बात की। लेकिन, पुलिस ने उसको वहां से लौटा दिया। इसके बाद पंकज ने अपने लाइसेंसी रिवाल्वर से तीन हवाई फायरिंग की, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। इसके बाद से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी।

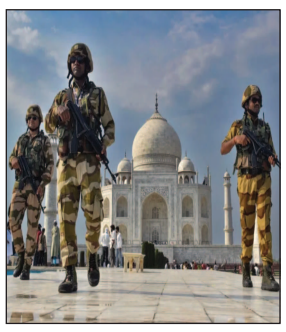

टैक्सी चालक भी फंसा

मेडिकल के बाद पुलिस ने आरोपी को स्पेशल सीजेएम कोर्ट में पेश किया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया। टैक्सी चालक नंदलाल को भी आरोपी बनाया है। पंकज सिंह ने फायरिंग की थी। इसके बावजूद चालक ने पुलिस को सूचना नहीं दी। आरोपी की मदद की। उसे ऐसी जगह पर छोड़कर आया, जहां से वह आसानी से भाग सके। नंदलाल को आरोपी की मदद करने और पुलिस से अभद्रता करने के मामले में कार्रवाई की गई है।

पुलिस को चकमा देकर आरोपी फरार

आरोपी पंकज पुलिस को चकमा देकर दूसरी कार लेकर वहां से निकल गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज को खघालने में जुटी। सीसीटीवी फुटेज से मिली एक कार की तस्वीर के सहारे पुलिस वृंदावन के कर चालक तक पहुची। इसके बाद उसके बताये अनुसार आगरा पुलिस ने लखनऊ पुलिस की मदद से सात घंटे में ही उसे मानक नगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। देर रात पुलिस टीम उसे लखनऊ से लेकर आगरा पहुंची।

अज्ञात लोगों पर एफआईआर

प्रसाशन की ओर से सिटी डीसीपी सोनम कुमार ने बताया कि, इस मामले में ताज की सुरक्षा में तैनात सब इंस्पेक्टर राजन सिंह की ओर से हवाई फायरिंग व गाली गलौज की धारा में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस मामले में पंकज सिंह का नाम सबसे ऊपर है। सोमवार रात को लखनऊ से लाने के बाद उससे पूछताछ की गई तो उसने फायरिंग की कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई। उसने कहा मन किया तो कर दिया।

क्या आरोपी मांसिक रोगी?

पंकज आजमगढ़ से दो दिन पहले परिवार के साथ वृंदावन में आया था। सोमवार को पत्नी और बच्चों को वृंदावन में ही छोड़कर वह किराए की कार से आगरा आ गया। इसके बाद उसन ये सब कर दिया। सूचना मिलने पर शाम को वृंदावन से पंकज की पत्नी और भाई थाना ताजगंज पहुंच गए। उन्होंने उसे मानसिक रोगी बताया। 2003 में लखनऊ में नूर मंजिल साइक्याट्रिक अस्पताल में उपचार के पर्चे भी दिखाए। लेकिन पुलिस का कहना है कि वे वर्तमान में उपचार के कोई कागज नहीं दिखा सके।

नहर के पानी को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

बाराबंकी। धान की रोपाई के लिए नहर के पानी को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में दो लोग फावड़े के हमले से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले सीएचसी बड़ागाँव में भर्ती कराया गया, जहाँ से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। यह घटना सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम रहरामऊ और डेढ़वा के बीच हुई। बताया जाता है कि रहरामऊ निवासी अमित कुमार पुत्र स्वर्गीय राम मिलन की कृषि भूमि ग्राम बड़ागाँव में है। वहीं, थाना क्षेत्र के ग्राम डेढ़वा निवासी अमित कुमार पुत्र दिनेश प्रसाद ने इसी भूमि पर बटाई ले रखी है। बीते मंगलवार को रहरामऊ निवासी अमित अपने खेत में धान की रोपाई की तैयारी के लिए नहर से पानी लगा रहा था। तभी डेढ़वा निवासी अमित और आकाश वहाँ आए और उन्होंने पानी को अपने खेत में मोड़ लिया। इसी बात पर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी जल्द मां बनने वाली हैं। इस वक्त कियारा अपने प्रेग्नेंसी फेज को एंजॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस अपना खूब ख्याल रही हैं। ऐसे में उनके फैंस भी हमेशा ये जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि कियारा प्रेग्नेंसी के दौरान क्या खा रही हैं। तो चलिए जानते हैं कि कियारा प्रेग्नेंसी में क्या खा रही हैं और वो कैसे उनके लिए फायदेमंद है।

प्रेगनेंसी में क्या खा रही हैं कियारा आडवाणी, खुद बताया, मिलते हैं ये गजब के फायदे

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों अपने प्रेग्नेंसी फेज को एंजॉय कर रही हैं। कियारा शादी के करीब 2 साल बाद मां बनने वाली हैं। कुछ महीने पहले ही कियारा मेट गाला में अपना बेबी बंप फ्लान्ट करती भी नजर आई थीं। अपनी प्रेग्नेंसी में कियारा अपना खूब ख्याल भी रख रही हैं और हेल्दी डाइट ले रही हैं। ऐसे में कियारा के फैंस और कई महिलाएं ये जानना चाहती हैं कि कियारा प्रेग्नेंसी में क्या-क्या खा रही हैं।

मां बनने वाली हर महिला इस दौर में खानपान को लेकर काफी अलर्ट हो जाती है, क्योंकि जो वो खाती है, उसका सीधा असर बच्चे की सेहत और ग्रोथ पर पड़ता है। ऐसे में जब कोई सेलिब्रिटी खुद अपने डेली डायट रूटीन के बारे में खुलकर बात करती है, तो वह दूसरी महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन जाती है। कियारा ने भी अपनी डाइट की एक चीज अपने फैंस के साथ शेयर की है। तो अगर आप भी जल्द मां बनने वाली हैं और जानना चाहती हैं कि कियारा अपनी प्रेग्नेंसी में क्या खा रही हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है। चलिए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी में कियारा क्या खा रही हैं और ये कितना फायदेमंद है?

प्रेग्नेंसी में क्या खा रहीं कियारा?

कियारा आडवाणी अपने आने वाले बच्चे को लेकर काफी एक्साइडिट हैं। वो अक्सर अपने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी से जुड़ी अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इस बार कियारा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर फोटो शेयर कर बताया है कि प्रेग्नेंसी में वो चेरी खा रही हैं। चेरी गर्भावस्था के दौरान काफी फायदेमंद होती है। चलिए जानते हैं फायदे हैं?

प्रेग्नेंसी में चेरी खाने के फायदे

गर्भावस्था के दौरान चेरी खाना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन, विटामिन C, पोटैशियम और फाइबर होते हैं, जो मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। चेरी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती है, कब्ज से राहत देती है और शरीर में सूजन कम करने में सहायक होती है। इसमें मौजूद मेलाटोनिन गर्भवती महिलाओं की नींद बेहतर बनाता है, जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स बच्चे के मस्तिष्क और विकास में सहायक होते हैं।

इन बीमारियों में भी असरदार है चेरी

हेल्थलाइन के मुताबिक, चेरी पोष्टिक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें फाइबर, मिनिरल्स और विटामिन्स भरपूर पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी - इंफ्लामेट्री गुण भी पाए जाते हैं। चेरी शरीर में सूजन को कम करने और ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ने में मदद करते हैं। ये हार्ट को हेल्दी बनाए रखती हैं। ब्लड प्रेशर कम कर सकती हैं और कोलेस्ट्रॉल लेवल को संतुलित रखने में भी हेल्पफुल हैं। नियमित रूप से चेरी खाने से दिल की बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

आजकल स्टाइलिश दिखने का जमाना है। लोग कपड़ों से लेकर ज्वेलरी तक हर चीज लेटेस्ट स्टाइल की खरीदना पसंद करते हैं। ऐसे में फुटवियर का खास होना भी लोगों की जरूरत बन गया है। दरअसल, स्टाइलिश कपड़ों के साथ मैचिंग फुटवियर्स का अपना एक खास रोल होता है।

कैजुअल कपड़ों के साथ इन 5 फुटवियर्स को पहनें, लगेंगी सबसे ज्यादा खूबसूरत

आजकल के लोग फैशन के साथ-साथ आराम पर भी ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। यही वजह है कि रोजमर्रा के उपयोग के लिए कपड़े और फुटवियर्स का चलन बढ़ता जा रहा है। कैजुअल कपड़ों के साथ सही फुटवियर्स चुनना बहुत जरूरी है ताकि आपका लुक पूरा हो सके। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे फुटवियर्स के बारे में बताएंगे, जो आपके कैजुअल लुक को और भी खास बना सकते हैं।

स्नीकर्स

स्नीकर्स एक ऐसा जूता है, जो किसी भी रोजमर्रा के कपड़े के साथ अच्छे से मेल खाता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखते हैं। स्नीकर्स को आप जींस, लोअर या यहां तक कि कुर्ते के साथ भी पहन सकती हैं। ये आपके लुक को न केवल आकर्षक बनाते हैं बल्कि पूरे दिन आराम भी देते हैं। इसलिए अगर आप रोजमर्रा के उपयोग के लिए कुछ चुनने जा रही हैं तो स्नीकर्स पर ध्यान दें।

सैंडल्स

फ्लैट सैंडल्स गर्मियों में सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये पैरों को हवा लगने देते हैं और चलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक के साथ पहन सकती हैं जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर। फ्लैट सैंडल्स आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।

लोफर्स

लोफर्स एक ऐसा जूता है, जो किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक के साथ अच्छे से मेल खाता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखते हैं। लोफर्स को आप जींस, लोअर या यहां तक कि कुर्ते के साथ भी पहन सकती हैं। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें ताकि आप पूरे दिन बिना किसी परेशानी के इन्हें पहन सकें।

फ्लैट बूट्स

एंकल बूट्स सर्दियों में सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये पैरों को गर्म रखते हैं और ठंड से बचाते हैं। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर आदि के साथ पहन सकती हैं। एंकल बूट्स स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।

एंकल फ्लैट बेली

फ्लैट बेली गर्मियों में सबसे अच्छा विकल्प होता है क्योंकि ये पैरों को हवा लगने देते हैं और चलने में कोई दिक्कत नहीं होती। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर आदि के साथ पहन सकती हैं। फ्लैट बेली स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।

लव पार्टनर के साथ एक बार जरूर करें ये 10 एक्टिविटी, लाइफटाइम गुदगुदाएंगी यादें

पार्टनर के साथ जिंदगी भर गुदगुदाने वाली यादें बनानी हैं तो साथ में घूमने से बेहतर और क्या होगा। शादी के बाद के कुछ दिन ऐसे होते हैं जिनमें कपल अपने लिए टाइम निकाल लेते हैं, लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे जिम्मेदारियां बढ़ती जाती हैं तो समय से लेकर बजट तक का ध्यान रखना पड़ता है, इसिलए शुरुआती दिनों में ही कुछ एक्टिविटीज अपने पार्टनर के साथ जरूर करनी चाहिए। हालांकि आप एक एज के बाद भी इन एक्टिविटीज का लुत्फ उठा सकते हैं और अपनी लाइफ के मोमेंट्स को रीक्रिएट करने के साथ ही नया फ्रेश स्टर्ट कर सकते हैं। तो चलिए जान लेते हैं ऐसी रोमांच से भरी एक्टिविटीज के बारे में जिन्हें पार्टनर के साथ जरूर करना चाहिए। इसी के साथ हम उन जगहों के बारे में भी जानेंगे, जो इन एडवेंचर के लिए बेस्ट हैं।

रिश्ते में नयापन बनाए रखने के लिए ये बहुत जरूरी है कि आप अपने पार्टनर के साथ क्वाविटी टाइम स्पेंड करें। इससे बनने वाली यादें ही होती हैं जो ताउम्र रिश्ते की डोर को थामे रखने का काम करती हैं, क्योंकि इससे एक-दूसरे को समझने में भी मदद मिलती है। तो चलिए जान लेते हैं उन एडवेंचर एक्टिविटीज के बारे में जो आपको अपने लव लाइफ पार्टनर के साथ करनी चाहिए।

आपको अपने पार्टनर के साथ एक बार केरला के त्रिशूर जिले में स्थित 'नियाग्रा फॉल्स' को जरूर विजिट करना चाहिए। ये जगह बेहद खूबसूरत है और रोमांच का अनुभव भी कराती है।

ऋषिकेश योग नगरी कहलाता है और अध्यात्म के लिए सबसे ज्यादा लोग यहां पहुंचते हैं। ये जगह कई एडवेंचर एक्टिविटी के लिए मशहूर है। आपको यहां पर पार्टनर के साथ कपल बंजी जंपिंग का एक्सपीरियंस लेना चाहिए।

ऋषिकेश रिवर राफ्टिंग के लिए भी पॉपुलर प्लेस है। दोस्तों के साथ तो लोग यहां पहुंचते ही हैं। आप अपने लव पार्टनर के साथ राफ्टिंग करने का लुत्फ उठाएं जो काफी यादगार रहेगा।

जयपुर भी एक ऐसी जगह है जो टूरिस्ट के लिए काफी पसंदीदा डेस्टिनेशन है। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हॉट एयर बलून में सवारी कर सकते हैं।

केरल का वरकला बीच काफी लोकप्रिय है। यहां पर अपने पार्टनर के साथ पैरा मोटरिंग का लुत्फ उठा सकते हैं, जिसमें आपको काफी एडवेंचरिंग एक्सपीरियंस होगा।

जैसलमेर के रेगिस्तान में लव पार्टनर के साथ ऊंट की सवारी लुत्फ भी आपको एक बार जरूर लेना चाहिए। शाम को सनसेट के टाइम तो नजारा फोटोग्राफी के लिए भी शानदार होता है।

कपल्स के लिए कश्मीर का गुलमर्ग किसी जन्नत से कम नहीं है। यहां पर अपने पार्टनर के साथ स्कीइंग कर सकते हैं या फिर बर्फ की वादियों में जमकर मस्ती की जा सकती है।

भारत का बीर बिलिंग पैराग्लाइडिंग के लिए बहुत मशहूर है, इसलिए इसे कैपिटल ऑफ पैराग्लाइडिंग भी कहा जाता है। रोमांच का मजा अगर पार्टनर के साथ लेना हो तो यहां एक बार जरूर आना चाहिए।

केरल और हैदराबाद में बैंबू हाउस हाउस और ट्री हाउस काफी पॉपुलर हैं। अपने पार्टनर के साथ आपको यहां पर कुछ क्वालिटी टाइम जरूर स्पेंड करना चाहिए।

भारत में पांडिचेरी से लेकर गोवा तक कई ऐसी जगहें हैं जो अंडर वाटर एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए जानी जाती हैं। आप अपने पार्टनर के साथ इन जगहों में से एक पर जा सकते हैं और स्कूबा डाइविंग का मजा ले सकते हैं।

समझिए मोदी सरकार की नई रोजगार स्कीम का कैसे और किन नौकरियों में मिलेगा लाभ, एक्सपर्ट बता रहे गेमचेंजर

मोदी सरकार की ELI स्कीम को लेकर सराफ फर्नीचर के संस्थापक और सीईओ रघुनंदन सराफ ने कहा, 'इस योजना का मकसद वास्तव में उन कर्मचारियों को अधिक अवसर प्रदान करना है जो जॉब पाने या रोजगार पाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए यह वर्तमान रोजगार बाजार को भी बढ़ावा देने वाला है।'

भारत सरकार ने रोजगार से जुड़ी नई स्कीम की शुरुआत की है. इसे रोजगार के क्षेत्र में काफी अहम माना जा रहा है. भारतीय उद्योग जगत के लोगों ने भी दबावपूर्ण रोजगार निर्माण की चुनौती से निपटने के लिए साहसिक और समय पर इम्पलायमेंट लिंक्ड इंसेटिव (ELI) योजना को सरकार की ओर से मंजूरी दिए जाने सराहना की है।

बिजनेस से जुड़े दिग्गजों और नीति विशेषज्ञों का मानना है कि यह योजना रोजगार के पूरे परिदृश्य को ही बदल देगी, क्योंकि यह वर्कफोर्स को औपचारिक बनाने, पहली बार नौकरी चाहने वालों को सशक्त बनाने तथा नियोक्ताओं (Employers) के लिए भर्ती लागत को कम करने पर केंद्रित है, खासतौर से लेबर इंसेटिव और कैपिटल कन्स्ट्रैंड सेक्टर में। कई लोगों ने इसके संभावित प्रभाव की तुलना प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव (पीएलआई) योजना से की है, इसे युवा रोजगार, क्षेत्रीय विकास और एमएसएमई की वृद्धि के लिए "गेम-चेंजर" कहा है।

युवाओं को मौके के दरवाजे खोलेगी : CII के DG बनर्जी

इससे पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कल मंगलवार को बहुप्रतीक्षित इम्पलायमेंट लिंक्ड इंसेटिव (ईएलआई) योजना को मंजूरी दे दी, जिसका मकसद 1।07 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 3।5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा करना और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना है। इस स्कीम से कपड़ा, पर्यटन, विनिर्माण और निर्माण जैसे लेबर से जुड़े क्षेत्रों को फायदा होगा

कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया इंडस्ट्री (CII) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने इस फैसले पर कहा "ईएलआई रोजगार को बढ़ावा देने और देश के वर्कफोर्स को औपचारिक बनाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। ईएलआई योजना पहली बार नौकरी की चाह रखने वालों के लिए मौके के दरवाजे खोलती है, इस वजह से वे देश के विकास की कहानी में अपना सार्थक योगदान दे सकते हैं। यह नियोक्ताओं को अपने वर्कफोर्स का विस्तार करने और लेबर से जुड़े क्षेत्रों को निर्णायक बढ़ावा देने का अधिकार देती है।" करीब 99,446 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, ईएलआई 3।5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन का समर्थन करेगी।

रोजगार सृजन के क्षेत्र में मिलेगा प्रोत्साहन : पूर्व सचिव

इस फैसले पर श्रम और रोजगार मंत्रालय की पूर्व सचिव सुमिता डावरा ने कहा कि यह योजना उद्योग जगत, ट्रेड यूनियनों, भारत सरकार के 25 से अधिक मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों तथा क्षेत्रीय कार्यशालाओं के साथ लंबी चर्चा और बहस के बाद तैयार की गई है।

उन्होंने आगे कहा, "पीएम मोदी ने पहले साफतौर से कह दिया था कि योजना सरल और प्रभावी होनी चाहिए ताकि योजना का वास्तविक लाभ देश के युवाओं तक पहुंच सके, खासतौर से पहली बार वर्कफोर्स में शामिल होने वाले लोगों तक, और यह रोजगार सृजन के लिए एक प्रोत्साहन के रूप में भी काम करता है। इस स्कीम से विनिर्माण क्षेत्र (Manufacturing Sector) में 3।5 करोड़ से अधिक नौकरियों की उम्मीद है।"

युवाओं को होगा खास फायदा : PHDCCI

आईएमएफए के प्रबंध निदेशक सुभ्रकांत पांडा ने कहा, "यह योजना रोजगार को बढ़ावा देगी, खासकर विनिर्माण क्षेत्र में, एक इनोवेटिव अप्रोच अपनाकर पहली बार वर्कफोर्स में शामिल होने वालों को लगातार रोजगार के लिए प्रोत्साहन के साथ मदद भी करती है। यह लेबर वर्क से जुड़े उद्योगों और एमएसएमई के लिए एक बड़ा बदलाव होगा।"

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और महासचिव डॉ रंजीत मेहता ने कहा कि यह योजना ऐसे समय में आई है जब भारत की युवा आबादी अपने चरम पर है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह घोषणा बहुत अहम है, क्योंकि भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है। हमारे पास इसका जनसांख्यिकीय लाभांश यानी डेमोग्राफिक डिविडेंट है और इस तरह की योजना होने से निश्चित रूप से हमारी युवा आबादी के लिए काफी रोजगार पैदा होगा। दूसरा, यह उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगा, खासकर एमएसएमई को, जिनके पास हमेशा पूंजी की कमी होती है।"

सराफ फर्नीचर के संस्थापक और सीईओ रघुनंदन सराफ ने कहा, "इस योजना का मकसद वास्तव में उन कर्मचारियों को अधिक अवसर प्रदान करना है जो जॉब पाने या रोजगार पाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए यह वर्तमान रोजगार बाजार को भी बढ़ावा देने वाला है। यह कर्मचारियों को कर्मचारियों के रूप में बनाए रखने में भी मदद करता है। इससे नौकरी छोड़ने की दर भी कम होगी। साथ ही इससे कर्मचारियों की बचत भी बढ़ेगी।"

1 अगस्त 2025 से लागू होगी ये स्कीम

इस योजना के तहत पहली बार नौकरी पर रखे गए कर्मचारियों को एक महीने का वेतन (15,000 रुपये तक) दिया जाएगा। वहीं नियोक्ताओं को अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए 2 साल की अवधि के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। यही नहीं विनिर्माण क्षेत्र के लिए लाभ को और 2 साल के लिए बढ़ा दिया जाएगा।

ईएलआई स्कीम का मकसद 2 साल की अवधि के दौरान देश में 3।5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। इनमें से 1.92 करोड़ लाभार्थी पहली बार वर्कफोर्स में शामिल होने वाले होंगे। इस स्कीम का लाभ अगले महीने एक अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच सृजित नौकरियों पर लागू होगा।

डिजिटल इंडिया के 10 साल: एक डिजिटल डिवाइड वाले देश से डिजिटल विश्वगुरु बनने तक भारत की परिवर्तनकारी यात्रा

मुंबई, एजेंसी। एक दशक पहले तक जिसे डिजिटल असमानता और सीमित तकनीकी पहुंच के लिए जाना जाता था, भारत ने बीते 10 वर्षों में डिजिटल इंडिया अभियान के जरिए खुद को दुनिया की डिजिटल राजधानी के रूप में स्थापित कर लिया है। 1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना ने आज देश के करोड़ों नागरिकों को न सिर्फ तकनीक से जोड़ा है, बल्कि शासन, अर्थव्यवस्था और समाज में पारदर्शिता और जवाबदेही की नई इबारत भी लिखी है।

डिजिटल इंडिया अभियान के तहत आज 95 प्रतिशत से अधिक गांवों में इंटरनेट पहुंच चुका है। 2014 में जहां ग्रामीण टेलीफोन कनेक्शन 37.77 करोड़ थे, वहीं 2025 तक यह आंकड़ा बढ़कर 53.66 करोड़ हो गया है। इसके साथ ही, इंटरनेट यूजर्स की संख्या 2014 में 25 करोड़ से बढ़कर 2025 में 97 करोड़ तक पहुंच गई है। यानी 288 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारत अब अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है, जिससे यूके, जर्मनी और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देश भी पीछे छूट गए हैं। 2022-23 में डिजिटल अर्थव्यवस्था का राष्ट्रीय आय में योगदान 11.74 प्रतिशत था, जो 2024-25 तक 13.42 प्रतिशत और 2029–30 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है।

भारत की अपनी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आज यूएई, सिंगापुर, फ्रांस, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मॉरीशस जैसे देशों में उपयोग हो रही है। 2025 के मई महीने में यूपीआई से 25.14 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड ट्रांजैक्शन हुआ, जो एक मूक क्रांति की गवाही देता है। बिल गेट्स ने भारत की यूपीआई और आधार व्यवस्था को डिजिटल गवर्नेंस का स्वर्ण मानक बताया है।

इसके साथ ही, डीबीटी के जरिए अब तक 44 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे हैं। इस व्यवस्था से सरकार को 3.48 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है, जिसमें से अकेले 1.85 लाख करोड़ की बचत खाद्य सब्सिडी से हुई है। इसके जरिए 5.87 करोड़ फर्जी राशन कार्ड और 4.23 करोड़ फर्जी एलपीजी कनेक्शन रद्द किए गए हैं।

भारतनेट योजना के जरिए 2.18 लाख ग्राम पंचायतों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंच चुका है। पीएमजी दिशा के अंतर्गत 4.78 करोड़ ग्रामीणों को डिजिटल साक्षरता दी गई। दिलचस्प बात यह है कि 45 प्रतिशत स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों से आ रहे हैं, जिससे भारत का ग्रामीण इलाका डिजिटल नवाचार का नया केंद्र बन गया है।

देश के 709 जिलों में 4,671 ई-सेवाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। वहीं, उमंग ऐप पर 1,668 से अधिक सेवाएं और 20,197 से ज्यादा बिल पेमेंट विकल्प मौजूद हैं। डिजी लॉकर के 51.6 करोड़ उपयोगकर्ता अब दस्तावेज़ों तक तुरंत पहुंच पा रहे हैं। भाषिणी परियोजना 35 भाषाओं में 1,600 से अधिक एआई मॉडल्स के साथ देश की भाषाई विविधता को जोड़ रही है।

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स अब 616 शहरों में 7.64 लाख से अधिक विक्रेता और सेवा प्रदाता जोड़ चुका है। जीईएम प्लेटफॉर्म पर 1.6 लाख से अधिक सरकारी खरीदार और 22.5 लाख विक्रेता सक्रिय हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत को अब यूपीआई और आधार जैसी तकनीकों का वैश्विक निर्यात बढ़ाना चाहिए। डिजिटल टेक्नोलॉजी आधारित रोजगार के नए अवसर तैयार करने चाहिए। डिजिटल करेंसी को वैश्विक मानक बनाने की पहल करनी चाहिए साथ ही, भ्रष्टाचार-निरोधी वैश्विक सिस्टम में भारत की तकनीकों को शामिल करवाना चाहिए।

नोटः- इस लेख को प्रो हिमानी सूद (प्रो-चांसलर(चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी), संस्थापक-इंडियन माइनॉरिटी फेडरेशन) ने लिखा है। इसमें दी गई जानकारी उनके द्वारा एकत्रित की गई है

10 मिनट में 26000 फीट नीचे गिरा जापान एयरलाइंस का बोइंग विमान, 191 यात्री लिखने लगे अपना आखिरी मैसेज

जापान। जापान में बोइंग 737 के एक और विमान दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बचा है। बोइंग का यह विमान चीन से उड़ान भरकर जापान की राजधानी टोक्यो जा रहा था। शंघाई में उड़ान भरते ही विमान में खराबी आ गई और वो अचानक नीचे आने लगी। करीब 26 हजार फीट ऊपर से विमान को नीचे गिरता देख यात्रियों ने विदाई संदेश लिखकर रख दिए। हालांकि, आखिर में विमान की लैंडिंग सेफ तरीके से जमीन पर हुई।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक इस बोइंग के इस विमान में 191 यात्री सवार थे। चालक दल के सदस्यों को जोड़कर यह करीब 200 के आसपास है। अधिकांश यात्री चीन के थे, जो जापान के टोक्यो जा रहे थे।?

जापान सरकार के मुताबिक केबिन में कुछ टेक्निकल फॉल्ट की समस्या सामने आई थी, जिसे पायलट ठीक करने की कोशिश में जुट गए। इसी दौरान विमान को 10 मिनट में 26000 फीट ऊंचाई से नीचे लाया गया।

शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया है कि जब विमान ने केबिन में हवा का दबाव बनाए रखने वाले प्रेशराइजेशन सिस्टम में फॉल्ट के बारे में अलर्ट जारी किया, तो पायलटों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से संपर्क किया।

एयर होस्टेस की वार्निंग से हड़कंप

फ्लाइट के नीचे उतरने के साथ ही एयर होस्टेस ने वार्निंग जारी किया। वॉर्निंग सुनते ही फ्लाइट में हड़कंप मच गया। लोग चीखने और चिल्लाने लगे। कुछ लोगों ने तुरंत सोशल मीडिया पर पोस्ट करना शुरू किया। वहीं कुछ लोग आखिरी वसीहत लिखने लगे। एक यात्री ने विमान को नीचे गिरता देख लिखा- मेरा शरीर अभी भी यहीं है। मेरे पैर कांप रहे हैं। जब आप जीवन या मृत्यु का सामना करते हैं, तो बाकी सब कुछ तुच्छ लगता है। विमान को लैंड कराने के बाद उसे करीब 1 घंटे तक जस का तस रखा गया। लोगों को इसके बाद ही बाहर निकाला गया। वहीं जापान एयरलाइंस का कहना है कि उसने सभी यात्रियों को करीब 10 हजार रुपए मुआवजा के तौर पर देने की पेशकश की है। एयरलाइंस कंपनी ने इसको लेकर खेद जताया है।

शेख हसीना को इन गलतियों के लिए फांसी पर लटकाना चाहती है यूनुस सरकार, पहली बार कोर्ट में जाहिर की मंशा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले साल हुए तख्तापलट के बाद से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार कई बार भारत से आग्रह कर चुकी है कि वह शेख हसीना को उन्हें सौंप दे। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार का कहना है कि शेख हसीना भ्रष्टाचार और हत्याओं की आरोपी हैं, उन्हें बांग्लादेश आकर कानूनी कार्रवाइयों का सामना करना पड़ेगा।

भारत ने तो बांग्लादेश शेख हसीना वापस नहीं भेजा, लेकिन उनके ऊपर केस की सुनवाई की जाने लगी है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने जुलाई के विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के एक मामले में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और तीन अन्य के खिलाफ आरोप तय करने के लिए सुनवाई शुरू कर दी है।

मंगलवार को शुरू हुए मुकदमे के दौरान अभियोजक ताजुल इस्लाम ने न्यायाधिकरण को शेख हसीना पर लगाए गए अपराधों के बारे में बताया। अगर शेख हसीना ऐसे अपराध न करती, तो शायद बांग्लादेश सरकार उन्हें फांसी पर लटकाने का नहीं सोचती। शेख हासीना की ऐसी कई गलतियां हैं, जो यूनुस सरकार की नजरों में उन्हें अपराधी बना रही हैं। इन्ही अपराधों की दलील देते हुए युनुस सरकार के वकील ने शेख हसीना पर कार्रवाई की मांग की है।

कौन सी हैं वह गलतियां?

ताजुल इस्लाम ने बताया कि मानवता के खिलाफ अपराध 6 जनवरी, 2009 से 5 अगस्त, 2024 तक किए गए हैं। इस्लाम ने अपने भाषण का एक बड़ा हिस्सा शेख हसीना के पिता, बांग्लादेश के संस्थापक राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान के बारे में बात करते हुए बिताया। उन्होंने कहा, "शेख हसीना की इच्छा आजीवन बांग्लादेश में सत्ता बनाए रखने की थी। उनके पिता भी यही चाहते थे।"

पारिवारिक तानाशाही

इस्लाम ने सुनवाई में कहा, "शेख हसीना ने पारिवारिक तानाशाही बनानी चाहती थी, राज्य को पूरे देश में शेख मुजीब के सम्मान में मूर्तियां और चित्र स्थापित करने के लिए चार हजार करोड़ टका खर्च करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने संविधान में संशोधन किया और सभी सरकारी कार्यालयों में प्रधानमंत्री की तस्वीर रखने का प्रावधान पेश किया।"

कौन-कौन से हैं आरोप?

उन पर हत्या, हत्या का प्रयास, यातना और षडयंत्र जैसे मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलाव उनपर भड़काऊ बयान देने का आरोप है। इस्लाम ने सुनवाई में बताया कि शेख हसीना ने प्रधानमंत्री रहते हुए पिछले साल 14 जुलाई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ 'भड़काऊ बयान' दिए थे।

गोली और जिंदा जलाकर मार देने का आरोप

इसके अलावा, शेख हसीना सहित तीन लोगों पर 5 अगस्त को चंखरपुल में छह लोगों की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। तीनों पर अशुलिया में एक वैन में छह लोगों को जलाकर मार डालने और रंगपुर में बेगम रोकेया विश्वविद्यालय के छात्र अबू सईद की हत्या का भी आरोप है। माना जा रहा है अगर शेख हसीना ये गलती न करती, तो आज यूनुस सरकार उन्हें फांसी देने के लिए आमादा नहीं होती है।

एक फोन कॉल से चली गई कुर्सी, आखिर थाइलैंड की PM की लीक बातचीत में ऐसा क्या था?

थाइलैंड। भारत के पड़ोसी देश थाइलैंड में सियासी भूचाल आया हुआ है। एक फोन कॉल की वजह से प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा की कुर्सी चली गई है। कोर्ट ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को निलंबित कर दिया है। यह फैसला कंबोडिया की सीनेट के अध्यक्ष हुन सेन के साथ फोन पर बातचीत के बाद लिया गया। शिनावात्रा की हुन सेन से बातचीत ऐसे समय हुई जब सीमा पर थाइलैंड और कंबोडिया के सैनिकों की झड़प हुई थी।

28 मई को सीमा पर दोनों देशों की सेना आमने-सामने आ गई थीं। इसके बाद 15 जून को शिनावात्रा की हुन सेन से फोन पर बात हुई थी। दोनों की बातचीत लीक हो गई थी। इसके बाद थाईलैंड में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। विरोधियों ने शिनावात्रा पर राष्ट्रीय हितों से समझौता करने और सैन्य अधिकार

को कमजोर करने का आरोप लगाया।

हुन सेन ने शिनावात्रा से बातचीत के दौरान कॉल को रिकॉर्ड किया था। बाद में उन्होंने लीक कर दी। हुन सेन ने दावा किया कि उन्होंने रिकॉर्ड की गई बातचीत को 80 से ज़्यादा लोगों के साथ शेयर किया था।

बातचीत में ऐसे क्या था?

बातचीत में शिनावात्रा और हुन सेन को थाईलैंड-कंबोडिया सीमा तनाव को हल करने और संघर्ष के बाद लगाए गए प्रतिबंधों को कम करने के बारे में चर्चा करते हुए सुना गया। कई रिपोर्टों के अनुसार, शिनावात्रा ने फोन कॉल में हुन सेन को अंकल कहा। हुन सेन शिनावात्रा के पिता थाकसिन शिनावात्रा के करीबी दोस्त हैं, जो थाईलैंड के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने कथित तौर पर हुन सेन से थाईलैंड में दूसरे पक्ष की बात न सुनने का आग्रह किया और एक मुखर थाई सेना कमांडर को निशाना बनाया जिसने कंबोडिया की आलोचना की थी। लीक हुए फोन कॉल में शिनावात्रा को सेना कमांडर को एक विरोधी के रूप में लेबल करते हुए भी सुना गया है।

शिनावात्रा यहीं नहीं रुकीं। सेना कमांडर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वह बस कूल दिखना चाहते हैं। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने हुन सेन से यह भी कहा कि वह उन्हें बताएं कि वह क्या चाहते हैं और वादा किया कि वह इसे मैनेज करने की कोशिश करेंगी। रिपोर्ट में कहा गया कि आलोचकों ने इस टिप्पणी को अत्यधिक समझौतावादी माना, जिससे थाईलैंड की कूटनीतिक और सैन्य स्थिति को नुकसान पहुंचने की संभावना है।

एपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि शिनावात्रा ने माफी मांगी, लेकिन उन्होंने बातचीत की रणनीति के तहत अपने शब्दों का बचाव किया और राष्ट्रीय हितों को किसी भी तरह के नुकसान से इनकार किया।

28 मई को हुई थी झड़प

28 मई को थाई-कंबोडियन सीमा पर विवादित क्षेत्र में गोलीबारी हुई थी। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाया और आत्मरक्षा का दावा किया। इस घटना ने लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय तनाव को फिर से भड़का दिया, हालांकि बाद में दोनों सरकारों ने तनाव कम करने का इरादा जताया।

पानी के नीचे बारूद बिछा रहा था ईरान, भारत-चीन के तेल रूट को धुआं-धुआं करने का था इरादा : खुफिया रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। 13 जून को इजराइल के हमलों और 22 जून को अमेरिका की जवाबी कार्रवाई के बीच ईरान में एक बड़ी तैयारी चल रही थी. ये होरमुज जलडमरूमध्य को बंद करने की तैयारी थी।

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा है कि ईरान ने पिछले महीने अपने नौसैनिक जहाजों में पानी के नीचे बिछाई जाने वाली नैवल माइंस (बारूदी सुरंगें) लोड की थीं। ये वही रास्ता है जिससे होकर दुनिया की पांचवां हिस्सा तेल और गैस का कारोबार होता है।

होरमुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और यह महज 34 किलोमीटर चौड़ा है। लेकिन इसका सामरिक और आर्थिक महत्व कहीं ज्यादा बड़ा है। सऊदी अरब, इराक, कतर, यूएई और कुवैत जैसे देशों का कच्चा तेल और गैस इसी रास्ते से निकलता है।

यहां तक कि ईरान खुद भी इस रूट पर निर्भर है। यही वजह है कि अगर यह रास्ता बंद होता, तो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति चरमरा सकती थी और तेल की कीमतें आसमान छू सकती थीं। हालांकि, अमेरिकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक दबाव और सैन्य सतर्कता के चलते यह संकट टल गया, कम से कम फिलहाल।

इरादा या साइकोलॉजिकल वार?

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान ने माइंस लोड करके दो बातें साधीं। या तो वो वाकई बंद करने की तैयारी कर रहा था, या फिर अमेरिका और उसके सहयोगियों को मनोवैज्ञानिक दबाव में लाने की कोशिश कर रहा था। इस आशंका को और हवा तब मिली जब ईरानी संसद ने 22 जून को होरमुज को बंद करने का प्रस्ताव पारित किया।

हालांकि, ये निर्णय अंतिम नहीं था क्योंकि इसकी मंजूरी देश की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल को देनी थी। ईरान पहले भी कई बार होरमुज को बंद करने की धमकी दे चुका है, लेकिन अब तक वह सिर्फ शब्दों तक ही सीमित रहा है।

तेल का रास्ता अभी खुला है, लेकिन तनाव बरकरार

अभी तक होरमुज जलडमरूमध्य खुला है और वैश्विक तेल बाजार में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। लेकिन अमेरिकी नौसेना और खुफिया एजेंसियां इसे लेकर पूरी तरह सतर्क हैं। अमेरिका की पांचवीं बेड़ा (Fifth Fleet), जो बहरीन में तैनात है, इस क्षेत्र में सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालती है। हाल ही में जब ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला हुआ, तो अमेरिका ने अपने एंटी-माइन जहाजों को अस्थायी तौर पर वहां से हटा लिया था, ताकि ईरानी जवाबी हमले में उन्हें नुकसान न पहुंचे।

महाराष्ट्र में 3 महीने में 1000 किसान आत्महत्या कर चुके... पीएम मोदी के विदेश दौरों पर बोले संजय राउत- ट्रैवल और टूरिज्म का राजदूत बन जाना चाहिए

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बुधवार (2 जुलाई) सुबह 8 बजे 5 देशों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। पीएम की इन्हीं 5 देशों की यात्रा को लेकर अब विपक्ष ने निशाना साधना शुरू कर दिया है। उद्धव गुट की शिवसेना के सांसद संजय राउत ने पीएम मोदी 5 देशों की यात्रा को लेकर टिप्पणी की है।

संजय राउत ने पीएम मोदी की यात्रा पर तीखा हमला करते हुए कहा, पीएम मोदी भारत में कब रहते हैं, वो तो दौरे पर ही रहते हैं, उनके पास पर्यटन और यात्रा मंत्रालय भी होना चाहिए।

"ट्रैवल और टूरिज्म का राजदूत बन जाना चाहिए"

संजय राउत ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा, उन्हें ट्रैवल और टूरिज्म का राजदूत बन जाना चाहिए। उन्हें बताना चाहिए मन की बात में कि हमारे भारत की जनता को कौन से देश में जाना चाहिए, कहां रहना चाहिए। क्या खाना चाहिए। कौन से होटल में रहना चाहिए? संजय राउत ने आगे कहा, मोदी जी देश में है कहां? महाराष्ट्र में 3 महीने में 1 हजार किसानों की आत्महत्या हो गई है। यह मोदी जी को मालूम है? अब तक पहलगाम हत्या के जो हत्यारे हैं। उसको हम भूल नहीं पा रहे हैं। क्या यह मोदी जी को पता है?

पहलगाम हमले को लेकर पूछे सवाल

संजय राउत ने इस दौरान पहलगाम हमले का जिक्र किया। उन्होंने पहलाम हमले को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, अब तक पहलगाम हत्या के जो हत्यारे हैं। उसको हम भूल नहीं पा रहे हैं।

पीएम की 5 देशों की यात्रा

पीएम मोदी की इन 5 देशों की यात्रा का मकसद ग्लोबल साउथ के कई प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत बनाना है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 8 दिनों की इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ब्राजील, घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया जाएंगे। इस दौरान पीएम ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

यात्रा के पहले चरण में पीएम मोदी घाना पहुंचेंगे। जहां वो 2 दिन (2-3 जुलाई) के लिए घाना का दौरा करेंगे। यह पीएम की पहली घाना की द्विपक्षीय यात्रा है। हालांकि, पिछले तीन दशकों में पहली बार भारत का कोई प्रधानमंत्री घाना की यात्रा पर जा रहा है। घाना की यात्रा के बाद पीएम मोदी 3 से 4 जुलाई तक त्रिनिदाद एंड टोबैगो की 2 दिन की यात्रा करेंगे। यात्रा के तीसरे चरण में पीएम मोदी 4 से 5 जुलाई तक अर्जेंटीना के दौरे पर रहेंगे। वहीं, पीएम अपनी इस यात्रा के चौथे चरण में ब्राजील में रहेंगे। अपनी यात्रा के अंतिम चरण के तहत पीएम अफ्रीकी देश नामीबिया जाएंगे।

संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने की आरोपी नीलम आजाद और महेश कुमावत को मिली जमानत, कोर्ट ने लगाई ये शर्तें

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने 023 के संसद सुरक्षा भंग मामले में नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दे दी है। कोर्ट ने उन्हें ,50000 रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के दो जमानतदारों पर रिहा किया है। इसके साथ ही जमानत देते हुए कोर्ट ने साफ कहा कि वे न तो किसी को इंटरव्यू दे सकते हैं और घटना से संबंधित कोई भी पोस्ट सोशल मीडिया पर नहीं डाल सकते हैं। दोनों को 13 दिसंबर, 2023 को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में अन्य आरोपियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। संसद सुरक्षा भंग मामले में नीलम आजाद और महेश कुमावत को दिल्ली हाईकोर्ट ने जमानत दी है। यह फैसला निचली अदालत के जमानत याचिका खारिज करने के बाद हाईकोर्ट में दायर की गई अपील पर दिया गया है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दी है। संसद सुरक्षा भंग करने वाले आरोपियों को कोर्ट ने जमानत देने से पहले कुछ शर्तें रखी हैं। कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि वे न तो किसी भी मीडिया संस्थान को इंटरव्यू दे सकते हैं और नही इस घटना के बारे में बात कर सकते हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी घटना के बारे में पोस्ट करने पर साफ मनाही है।

2001 के संसद आतंकी हमले की 13 दिसंबर, 2023 को 22वीं बरसी थी। इस दौरान लोकसभा में कार्यवाही के दौरान आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन डी ऑडियंस गैलरी से वेल के अंदर कूद गए। सांसदों की टेबल पर उछलते हुए स्पीकर की ओर बढ़ने लगे। आरोपियों ने इस दौरान जूते से स्मोक कैन निकालकर चला दिए। इसके साथ ही वे वहां नारेबाजी करने लगे। इस दौरान उन्होंने सदन में पीले रंग का धुआं उड़ाया, जिसके कारण सदन में अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच संसद परिसर में नीलम और अमोल को प्रोटेस्ट करते पकड़ा गया था। तभी से ये लोग जेल में बंद हैं।

आरजेडी नेता ने भगवान शिव से की लालू की तुलना, बीजेपी-जेडीयू ने कहा- बिहार पर तांडव किया

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी बीच आरजेडी नेता और एमएलसी उर्मिला ठाकुर ने लालू प्रसाद यादव की बढ़ाई करते हुए बयान दिया है। उर्मिला ठाकुर ने आरेजडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तुलना भगवान शिव से कर दी है।

उर्मिला ठाकुर ने कहा, भगवान शिव के बाद लालू प्रसाद कलियुग में जिंदा भगवान हैं। उनके इसी बयान के बाद सियासी हलचल मच गई है। जानकारी के मुताबिक, आरजेडी की नेता मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट में बीआर आंबेडकर की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में पहुंची थीं। यहीं पर अपने संबोधन के दौरान उन्होंने लालू यादव को भगवान बताया।

उर्मिला ठाकुर के बयान का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में राजद एमएलसी उर्मिला ठाकुर कहती हैं, शिव के बाद अगर कोई दूसरा जिंदा भगवान हैं, धरती पर भगवान हैं या आशीर्वाद देने वाले भगवान हैं। उर्मिला ठाकुर जैसी जिसके पिता दाढ़ी बनाने का काम करते थे, उसकी बेटी को इस सदन में कुर्सी पर बैठाने वाला कोई शख्स है तो उसका नाम लालू प्रसाद यादव है। उन्होंने आगे कहा, शिव की पूजा आप जानते हैं। शिव गरीबों के नेता थे। उर्मिला ठाकुर का यह बयान सामने आने के बाद से अब सियासी हलचल मच गई है।

बीजेपी-जेडीयू ने साधा निशाना

लालू यादव को भागवन बताने पर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि महादेव संपत्ति सृजन नहीं करते हैं, लालू ने बिहार पर तांडव किया है।

असल में थोड़ी न बाप हूं... फातिमा सना शेख की कास्टिंग पर आमिर खान का खुलासा, कहा- वो इतने मुर्ख नहीं हैं

बेहतरीन स्क्रिप्ट चुनने के लिए मशहूर एक्टर आमिर खान की 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' एक चौंकाने वाली गलती साबित हुई। अपने बड़े बजट और स्टार पावर के बावजूद, यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी। आमिर की इस फिल्म से सभी को निराशा हाथ लगी। काफी वक्त गुजर जाने के बाद अब सुपरस्टार ने खुलकर इस फिल्म के फ्लॉप होने को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि क्या-क्या गलत हुआ, कास्टिंग में दिक्कत से लेकर स्क्रिप्ट में बड़े बदलाव तक, जिससे वह निराश हो गए थे।

द लल्लनटॉप से बात करते हुए आमिर ने बताया कि फीमेल लीड रोल के स्पेस को भरना आसान नहीं था। फातिमा सना शेख के आने से पहले कई टॉप एक्ट्रेस ने इसे ठुकरा दिया था। उन्होंने बताया, "जब हम इसके लिए कास्टिंग कर रहे थे, तो किसी और फीमेल एक्टर ने इस रोल के लिए हां नहीं कहा। दीपिका, आलिया, श्रद्धा, सभी ने मना कर दिया। पूरी इंडस्ट्री को यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन कोई भी इसे करना नहीं चाहता था।" जब उनसे पूछा गया कि क्या स्क्रिप्ट की क्वालिटी इसकी वजह थी, तो आमिर ने माना कि ये भी एक वजह हो सकती है।

'दंगल' में निभाया था फातिमा के पिता का रोल

जब फातिमा को कास्ट किया गया, तो एक और चिंता पैदा हुई – उनकी ऑन-स्क्रीन गतिशीलता। 'दंगल' में उनके पिता की भूमिका निभाने के बाद, आमिर से अब उनके प्रेमी की भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी। डायरेक्टर ने रोमांटिक कहानी को पूरी तरह से हटाने का फैसला किया। उनका कहना था, "हम आपके और उनके बीच कोई रोमांटिक ट्रैक नहीं रखेंगे क्योंकि दंगल में वह आपकी बेटी थी, वह यहां आपकी प्रेमिका की भूमिका कैसे निभा सकती है? दर्शक इसे अस्वीकार कर देंगे।"

मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं- आमिर

लेकिन आमिर इस तर्क से पूरी तरह असहमत थे। उन्होंने कहा, "मैं इन सब बातों पर यकीन नहीं करता। मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं, और असल में मैं उसका ब्वॉयफ्रेंड हूं। हम लोग फिल्म बना रहे हैं भाई। दर्शक इतने मूर्ख नहीं हैं कि वे सोचेंगे कि वह असली पिता है। अगर हम ऐसा कहते हैं तो हम अपने दर्शकों को कम आंक रहे हैं।"

बार-बार हुए फिल्म की कहानी में बदलाव

आमिर खान ने यह भी बताया कि फिल्म अपने ऑरिजिनल वर्जन से लगातार बदलती रही। सुपरस्टार ने कहा कि स्क्रिप्ट में इतनी बार बदलाव किया गया कि फाइनल वर्जन अपरिचित सा लगा। फिल्म पूरी होने के बाद, उन्हें निर्माता आदित्य चोपड़ा का फोन आया और उन्होंने कहा, "मैंने पहला कट देखा है और यह एक शानदार फिल्म है। आपको पता ही नहीं चलता कि आपने क्या बनाया है।" हालांकि एक्टर का रिएक्शन अलग था। उन्होंने कहा, "मैं चौंक गया था। मैंने उनसे कहा कि मैं इसे समझ नहीं पाया और पहले तो उन्हें लगा कि मैं मज़ाक कर रहा हूं। मैंने उनसे कहा कि यह एक दिन भी काम नहीं करेगा। असहमति यहीं खत्म नहीं हुई। मैं हर दिन उनसे लड़ता था कि हमने सब कुछ गलत कर दिया है।"

आखिर क्यों राशा थडानी ने पैपराजी के सामने नहीं उतारा मास्क? बताई वजह

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें राशा थडानी मास्क लगाए दिख रही हैं। जानिए पैप्स के कहने पर एक्ट्रेस ने क्यों नहीं उतारा मास्क।

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस राशा थडानी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें मास्क लगाए देखा गया है। पैप्स के कहने के बावजूद एक्ट्रेस ने नहीं उतारा मास्क। जानिए वजह।

अभिनेत्री राशा थडानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेत्री को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, जहां वह काले रंग का जॉगर सूट पहने दिख रही हैं। इसके अलावा राशा थडानी को मैरून कलर का मास्क लगाए भी देखा गया। हालांकि, पैपराजी ने एक्ट्रेस से सवाल किया और उनसे मास्क हटाने को कहा, ताकि वे उनकी तस्वीरें क्लिक कर सकें। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने बोला कि उनकी तबियत बिल्कुल ठीक नहीं हैं, जिस पर पैप्स ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की और अभिनेत्री ने उन्हें धन्यवाद दिया।

नेटिंजस ने दी प्रतिक्रिया

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि वह जल्द स्वस्थ हो जाएं। वहीं दूसरे यूजर ने बोला कि अगर वो बीमार हैं, तो बाहर क्यों निकली। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने मजाक में कमेंट सेक्शन में लिखा कि पैप्स से बच निकलने का ये सबसे अच्छा तरीका है।

राशा थडानी का वर्कफ्रंट

राशा थडानी के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'आजाद' में देखा गया था। इसमें अभिनेत्री के अलावा राशा थडानी, अजय देवगन, डायना पेंटी आदि

ऑफिस पर सफल नहीं हो पाई थी और फ्लॉप साबित हुई थी। हालांकि, फिल्म का गाना 'उई अम्मा' काफी प्रसिद्ध हुआ, जिसमें राशा थडानी के डांस को बेहद पंसद किया गया। इसके अलावा एक्ट्रेस की आगामी फिल्म की बात करें, तो वह कार्तिक आर्यन के साथ 'पति पत्नी और वो' में नजर आने वाली हैं।

कमजोर हूं, पर कम नहीं, पिता को हक दिलाने के लिए एबनॉर्मल लड़की ने ज्वाइन की आर्मी, तन्वी : द ग्रेट का ट्रेलर रिलीज

तन्वी द ग्रेट का बेहतरीन और रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर रिलीज हो गया है. तन्वी द ग्रेट के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर खुद अनुपम खेर हैं, जो फिल्म में अहम किरदार में हैं. तन्वी द ग्रेट आगामी 18 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार है. अनुपम की यह फिल्म लंबे समय से चर्चा में हैं और आखिरकार आज फिल्म का ट्रेल रिलीज हो चुका है.

फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत काफी धीमी होती है और लगता है जैसे कि इस फिल्म को कौन देखेगा. अगले ही मिनट में फिल्म का ट्रेलर इतना इंटरेस्टिंग हो जाता है कि देखने के बाद मन में यही ख्याल आएगा कि 18 जुलाई कब आएगी. ट्रेलर से साफ हो गया है कि फिल्म की कहानी एक ऐसी लड़की की है, जो दिमागी तौर पर नॉर्मल नहीं दिखती है. उसके पिता आर्मी में थे, जो शहीद हो गए, लेकिन शहीदों के सम्मान के दौरान जब उसके पिता के नाम का कोई जिक्र नहीं हुआ, तो उसने ठान लिया कि वह भी एक आर्मी ज्वाइन करेगी. हालांकि वह संगीत सीख रही थी, लेकिन अब वह अपने पिता को सम्मान दिलाने के लिए आर्मी ज्वाइन कर लेती है.

फिल्म तन्वी द ग्रेट ने दुनियाभर में अपना जलवा दिखा दिया है. ये फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल और न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल जैसे बड़े मंचों पर दिखाई जा चुकी है. इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में इसे खूब सराहा गया है और शुरुआत से ही फिल्म को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है.

अनुपम खेर ने कहा, मैं हमेशा से एक्सेल एंटरटेनमेंट की शानदार कहानियों और सोच का प्रशंसक रहा हूं. तन्वी द ग्रेट के लिए उनका साथ मिलना बेहद खुशी की बात है. उनके जुड़ने से इस प्रेरणादायक फिल्म को और ऊंचाइयों तक ले जाने का हमारा सफर और मजबूत हुआ है.

फिल्म में बेहतरीन कलाकारों की टीम नजर आएगी, जिनमें अनुपम खेर, इयान ग्लेन, बोमन ईरानी, जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, पल्लवी जोशी, करण टैकर, एम. नास्सर और पहली बार अभिनय कर रही शुभांगी शामिल हैं. तन्वी द ग्रेट का संगीत ऑस्कर विजेता एम. एम. कीरवाणी ने दिया है. यह फिल्म अनुपम खेर स्टूडियोज और एनएफडीसी के साथ मिलकर बनाई गई है.

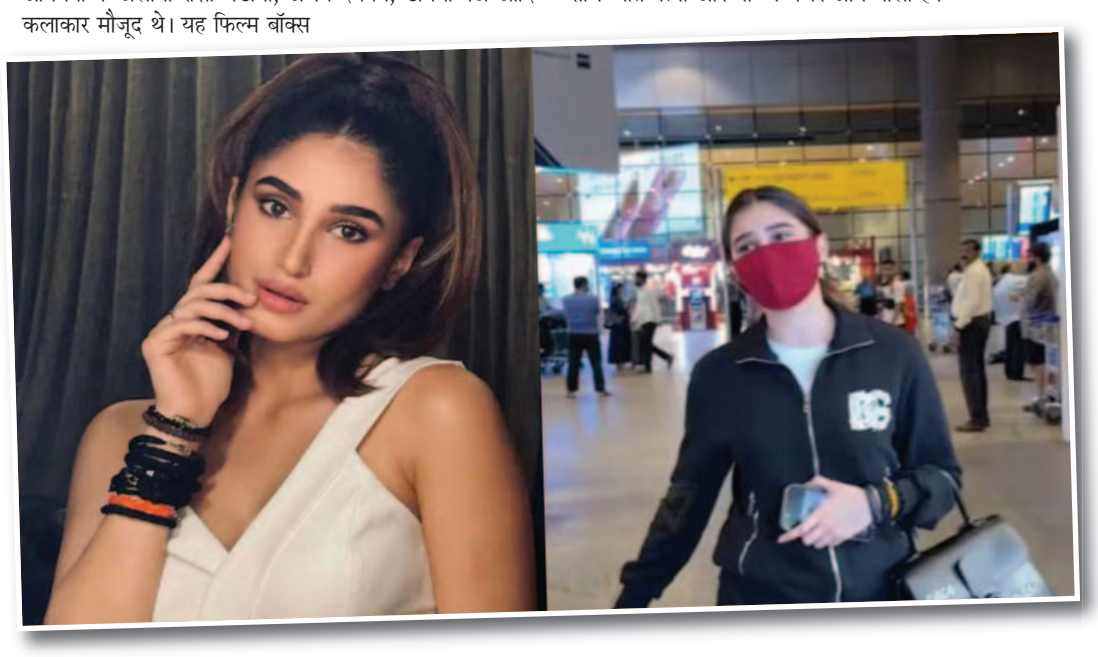

कलाकार मौजूद थे। यह फिल्म बॉक्स

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com